वैशाख शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 282 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 11-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संत रविदास का दर्शन ही विकसित भारत संकल्प का प्रेरणास्रोत : योगी आदित्यनाथ

6 मेजर सुखविंदर जीत सिंह रंधावाः वीरगति से पहले साथी को दिया संदेश- 'मेरी फिक्र छोड़, आतंकवादी को मार'

7 विदेश में हूं, लेकिन दिल और आत्मा पूरी तरह भारत के साथ : सेलिना जेटली

फर्स्ट टेक

मंगलुरु में 10 से 14 मई तक ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

मंगलुरु/भाषा। कर्नाटक के मंगलुरु शहर में शांति और कानून-व्यवस्था के मद्देनजर सभी प्रकार के ड्रोन के उपयोग, उड़ान और उससे वीडियो बनाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, यह प्रतिबंध 10 मई की शाम चार बजे से 14 मई की शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा। आदेश के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और शांति व कानून-व्यवस्था को भंग करने वाली किसी भी घटना को रोकने के लिए ड्रोन नियम, 2021 के नियम 24 के तहत यह निर्णय लिया गया है।

बांग्लादेश भारत में चैनल ब्लॉक करने पर यूट्यूब से स्पष्टीकरण मांगेगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा कि वह भारत में छह टीवी चैनलों को ब्लॉक करने के संबंध में यूट्यूब से स्पष्टीकरण मांगेगी। अंतरिम सरकार में डाक, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विशेष सहायक फैज अहमद तैयब ने कहा, ''हम यूट्यूब से स्पष्टीकरण मांगेंगे। यदि कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण मिलता है, तो हम जवाबी कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे।'' तैयब ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि चैनलों को अवरुद्ध करने से भारत में रहने वाले बांग्लादेशियों के अधिकारों पर असर पड़ा है, जो ''उपभोक्ता अधिकारों के अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विपरीत प्रतीत होता है।''

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा

ढाका/नई दिल्ली/भाषा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शनिवार शाम को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया। यूनुस के कार्यालय ने कहा, इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना अगले कार्य दिवस पर जारी की जाएगी। बयान में कहा गया कि यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा जब तक अवामी लीग और उसके नेताओं के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में चल रही सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, ताकि देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। सरकार ने यह भी कहा कि यह फैसला 2024 के जुलाई में हुए आंदोलन के नेताओं और कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। इसके अलावा, यह फैसला अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाने वाले शिकायतकर्ताओं और गवाहों की सुरक्षा के लिए भी लिया गया है।

पाकिस्तान, भारत तत्काल संघर्षविराम पर सहमत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान ''तत्काल और पूर्ण'' संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान ''तत्काल और पूर्ण'' संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने साथ ही दावा किया कि ऐसा अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के कारण संभव हो सका है।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे अमेरिका की मध्यस्थता वाला संघर्षविराम बताया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ''शांति का मार्ग चुनने के लिए उनके विवेक और राजनीतिक सूझबूझ की सराहना की।''

अमेरिका की मध्यस्थता से संघर्षविराम ऐसे समय में हुआ है जब भारत और पाकिस्तान की सेनाओं द्वारा एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा था, जिससे संघर्ष गंभीर रूप से बढ़ गया था।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में घोषणा की, ''अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान 'तत्काल और पूर्ण संघर्षविराम' पर सहमत हो गए हैं।'' ट्रंप ने कहा, ''दोनों देशों को समझदारी और विवेक का इस्तेमाल करने के लिए बधाई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।'' उन्होंने यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बातचीत के बाद की।

दोनों देशों के बीच सीधे तौर पर बातचीत हुई

नई दिल्ली में सरकारी सूत्रों ने हालांकि कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर दोनों देशों के बीच सीधे तौर पर बातचीत हुई। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने आज अपराह्न भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बातचीत की जिसके बाद चर्चा हुई और सहमति बनी।

इस्लामाबाद में पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार ने तत्काल प्रभाव से संघर्षविराम की पुष्टि की। डार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पाकिस्तान और भारत तत्काल प्रभाव से संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है।'' उन्होंने 'जियो न्यूज' से कहा, ''हमने आज शाम साढ़े चार बजे (पाकिस्तानी समयानुसार) से संघर्षविराम पर सहमति जताई है।'' उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि दिन भर चली व्यस्त कूटनीति के कारण दोनों देशों के अधिकारी संपर्क में आए तथा ''यह सहमति बनी''।

संयुक्त राष्ट्र का स्वागत

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल संघर्षविराम की घोषणा का स्वागत किया। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम नजर बनाए हुए हैं, हम संघर्ष को कम करने के सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं।''

पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति का उल्लंघन किया : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के कुछ ही घंटों बाद नई दिल्ली ने शनिवार को इस्लामाबाद पर इसका 'घोर उल्लंघन' करने का आरोप लगाया।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने देर रात प्रेस वार्ता में पाकिस्तान से इस तरह के उल्लंघन से बचने के लिए उचित कदम उठाने तथा स्थिति से ''गंभीरता और जिम्मेदारी'' के साथ निपटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ घंटों से भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच आज बनी सहमति का बार-बार उल्लंघन हो रहा है।''

मिसरी ने कहा, ''यह आज हुई सहमति का घोर उल्लंघन है। सशस्त्र बल इस उल्लंघन का पर्याप्त और उचित जवाब दे रहे हैं तथा हम इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं।''

भारत-पाक सहमति के कुछ घंटों बाद ड्रोन दिखने और विस्फोटों से दहला जम्मू-कश्मीर

श्रीनगर/जम्मू/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को सैन्य कार्रवाई समाप्त करने पर सहमति बनने के महज कुछ ही घंटों बाद जम्मू-कश्मीर में ड्रोन दिखने और उसके बाद विस्फोट होने की घटनाओं से हड़कंप मच गया, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को वायु रक्षा प्रणालियों का सहारा लेना पड़ा। श्रीनगर में, लोगों ने शाम के बाद कई विस्फोटों की सूचना दी। इस दौरान वायु रक्षा बलों ने बाटवारा इलाके में उड़ रहे एक ड्रोन को निशाना बनाया, जो एक रणनीतिक सैन्य प्रतिष्ठान के पास था। अधिकारियों ने पुष्टि की कि ड्रोन को मार गिराया गया। ये विस्फोट लगभग हर 15 मिनट पर हुए तथा अंधेरे में लपटें दिखने लगीं, जिससे भय और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई।

भविष्य में किसी भी आतंकवादी कृत्य को भारत के खिलाफ 'युद्ध की कार्रवाई' माना जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को निर्णय लिया कि भारत अपनी सरजमीं पर भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी हमले को ''युद्ध की कार्रवाई'' मानेगा और उसी के अनुसार जवाब देगा। शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह चेतावनी पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुई सैन्य कार्रवाई को समाप्त करने के लिए दोनों देशों के बीच सहमति की घोषणा से पहले दी गई।

इस निर्णय के साथ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक स्पष्ट ''लक्ष्मण रेखा'' खींचने की कोशिश की है और यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी फिर से भारत को निशाना बनाते हैं, तो सरकार पहलगाम घटना के बाद जैसी ही सैन्य प्रतिक्रिया देगी। एक शीर्ष सरकारी सूत्र ने कहा, ''भारत में भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य को देश के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसका जवाब उसी के अनुसार दिया जाएगा।''

अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ''युद्ध की कार्रवाई'' से तात्पर्य किसी देश द्वारा दूसरे देश के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण कार्रवाई से है, जो पीड़ित देश को हमलावर पर हमला करने का वैध आधार प्रदान करती है।

पाकिस्तान के साथ खड़े रहेंगे : चीन

इस्लामाबाद/भाषा। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने शनिवार को कहा कि उनका देश पाकिस्तान की ''संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता'' को बनाए रखने में उसके साथ खड़ा रहेगा। विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, चीनी विदेश मंत्री ने यह टिप्पणी उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान की। बातचीत के दौरान डार ने वांग यी को उभरते क्षेत्रीय हालात से अवगत कराया। वांग यी ने पाकिस्तान के संयम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसके जिम्मेदाराना रुख की सराहना की।

सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित करने सहित पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दंडात्मक उपाय लागू रहेंगे। सरकारी सूत्रों ने शनिवार को यह बात कही। यह स्पष्टीकरण भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी तथा सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद आया है। सूत्रों ने बताया कि 23 अप्रैल को पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा घोषित कदम प्रभावी रहेंगे। सूत्रों ने कहा कि आतंकवाद को बख्शा नहीं जाएगा और आतंकवाद के संबंध में भारत का संकल्प दृढ़ है। दोनों पक्षों के बीच शत्रुता समाप्त करने के लिए बनी सहमति के बारे में सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान ने इसे द्विपक्षीय व्यवस्था बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच समझौते की घोषणा करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने इसका श्रेय भी लिया। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''अमेरिका की मध्यस्थता में रात लंबी बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण एवं तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की प्रेस वार्ता

भारत के साथ संघर्ष विराम समझौता मुद्दों के समाधान में 'नई शुरुआत' का प्रतीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/एजेन्सी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज कश्मीर मुद्दे की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारत के साथ संघर्ष विराम समझौता क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों को हल करने में एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भारत के साथ संघर्ष विराम समझौते को सुविधाजनक बनाने में उनकी सक्रिय भूमिका के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का आभार व्यक्त किया।

हम क्षेत्र में शांति के लिए उनके नेतृत्व और सक्रिय भूमिका के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद देते हैं। पाकिस्तान इस परिणाम को सुविधाजनक बनाने के लिए अमेरिका की सराहना

करता है, जिसे हमने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हित में स्वीकार किया है।

हम दक्षिण एशिया में शांति के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भी धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान का मानना है कि यह उन मुद्दों के समाधान की दिशा में एक नई शुरुआत है, जिन्होंने इस क्षेत्र को परेशान किया है और शांति, समृद्धि और स्थिरता की ओर इसके मार्ग को बाधित किया है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका ने आज कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौता वाशिंगटन की मध्यस्थता से हुआ है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 'भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से युद्धविराम की घोषणा' शीर्षक वाले एक बयान में कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और वह पिछले दो दिनों से भारत और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप युद्धविराम समझौता हुआ।

पिछले 48 घंटों में, उपराष्ट्रपति वेंस और मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर, सेना प्रमुख असीम मुनीर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और असीम मलिक सहित वरिष्ठ भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों से बातचीत की है।

भारत ने पाक की कार्रवाई का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, आठ पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान बने निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शनिवार को कहा कि उसने पड़ोसी देश द्वारा ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों और लड़ाकू विमानों का उपयोग करके रक्षा बुनियादी ढांचे और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने की ''उकसावे वाली'' कार्रवाई के जवाब में पाकिस्तान में आठ सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना ने कहा कि निशाना बनाए गए पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों में एक हथियार डिपो और नियंत्रण केंद्र शामिल हैं।

भारत ने कहा कि उसने पश्चिमी सीमा पर ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों एवं लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर अन्य इलाकों और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर खतरे पैदा करने की पाकिस्तान की उकसावे वाली कार्रवाई को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया है।

भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान अपने सैनिकों को सीमावर्ती इलाकों में लेकर जा रहा है जो स्थिति को और तनावपूर्ण करने के ''आक्रामक इरादे'' का संकेत है। सेना ने साथ ही कहा कि वह अभियानगत रूप से पूरी तरह तत्पर हैं। सैन्य प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल तनाव न बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, बशर्ते पाकिस्तानी सेना भी ऐसा ही करे। उन्होंने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक विशेष संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मिसरी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी सेना की ''उकसाने वाली'' एवं ''तनाव बढ़ाने वाली'' कार्रवाइयों का नपा-तुला जवाब दिया है तथा पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर एवं पंजाब में निर्दोष लोगों एवं असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का अपना घृणित और अनियंत्रित अभियान जारी रखे हुए है।

11-05-2025 सूर्यास्त 6:36 बजे	12-05-2025 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
79,454.47	24,008.00
(-880.34)	(-265.80)

सोना	चांदी
10,137 रु.	99,565 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुत्ते की दुम

सीधी नहीं कभी ये होगी,
कुत्ते की दुम पाकिस्तान।
छुरा पीठ में फिर घोंपेगा,
देगा झूठे सभी बयान।
युद्ध विराम नहीं मानेगा,
वहां हुक्म देते शैतान।
जिसके आका हो आतंकी,
वो ना होगा भाईजान।।

सोवियत युग का अंतरिक्ष यान 53 साल तक कक्षा में फंसे रहने के बाद पृथ्वी पर गिरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केप केनवरल (अमेरिका), 10 मई (एपी) शुक्र ग्रह पर अपने असफल प्रक्षेपण के आधी सदी से भी अधिक समय बाद सोवियत युग का एक अंतरिक्ष यान शनिवार को पृथ्वी पर गिर गया।

यूरोपीय संघ की अंतरिक्ष निगरानी एजेंसी ने इसके अनियंत्रित रूप से वायुमंडल में प्रवेश करने की पुष्टि की। एजेंसी के अंतरिक्ष मलबे से सबंधित कार्यालय ने भी संकेत दिया कि जर्मन राडार स्टेशन पर दिखाई न देने के बाद अंतरिक्ष यान धरती के वायुमंडल में पुनः प्रवेश कर गया।

यह तुरंत पता नहीं चल पाया कि अंतरिक्ष यान ने वायुमंडल में कहां से प्रवेश किया।

वैज्ञानिकों ने कहा कि अंतरिक्ष यान के मलबे से किसी के भी प्रभावित होने की संभावना बहुत कम है। वर्ष 1972 में सोवियत संघ द्वारा प्रक्षेपित किया गया, 'कोस्मोस 482' नामक अंतरिक्ष यान शुक्र ग्रह के लिए भेजे गए मिशन की श्रृंखला का हिस्सा था। लेकिन यह कभी पृथ्वी की कक्षा से बाहर नहीं निकल पाया और रॉकेट की खराबी के कारण वहीं फंस गया। असफल प्रक्षेपण के एक दशक के भीतर ही ज्यादातर अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर गिर गए लेकिन 'कोस्मोस 482' को इसमें 53 साल लग गए।

विशेषज्ञों के अनुसार, 'लैंडर' टाइटेनियम से बना था और इसका वजन 495 किलोग्राम से अधिक था। अंतरिक्ष यान के नीचे की ओर आने के बाद वैज्ञानिक, सैन्य विशेषज्ञ और अन्य लोग पहले से यह नहीं बता पाए कि अंतरिक्ष यान कब और कहां नीचे आएगा।

सौर गतिविधि के कारण अनिश्चितता बढ़ गई, साथ ही अंतरिक्ष में इतने लंबे समय तक रहने के कारण अंतरिक्ष यान की स्थिति भी खराब हो गई।

शनिवार सुबह तक, अमेरिकी अंतरिक्ष कमान ने अंतरिक्ष यान की वापसी की पुष्टि नहीं की थी, क्योंकि यह कक्षा से डेटा एकत्र और विश्लेषण कर रही थी।

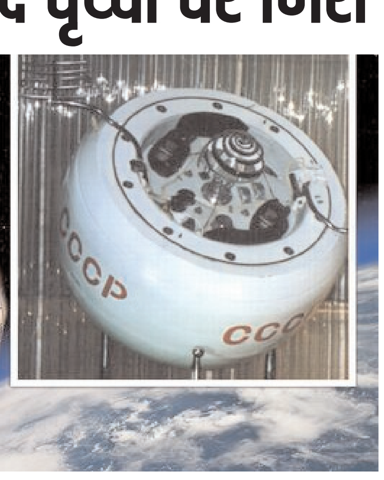

भारतीय बंदरगाहों, टर्मिनलों के लिए समुद्री सुरक्षा बढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पोत परिवहन महानिदेशालय ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष को देखते हुए भारतीय बंदरगाहों, टर्मिनलों और भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए समुद्री सुरक्षा को ''एमएआरएसईसी स्तर दो या उच्च सुरक्षा'' तक बढ़ा दिया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह निर्देश आठ मई को जारी किया गया था।

पोत परिवहन महानिदेशालय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) द्वारा विकसित अंतरराष्ट्रीय जहाज और बंदरगाह सुविधा सुरक्षा (आईएसपीएस) कोड, एसओएलएएस (समुद्र में जीवन की सुरक्षा) सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे समुद्री सुरक्षा पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं का मुकाबला करने के लिए अपनाया गया था। सुरक्षा स्तर दो में किसी बढ़े हुए जोखिम के जवाब में एक निश्चित अवधि के लिए अतिरिक्त सुरक्षात्मक उपायों को अपनाया जाता है। इस महीने की शुरुआत में, भारत ने पाकिस्तान के झंडे वाले जहाजों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित कर दिया था।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को सामान्य माल ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख समुद्री परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कामकाज सामान्य बना रहे।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा मातृत्व कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा 'प्रेक्षा प्रवाह : शक्ति और शांति की ओर' के अंतर्गत 10 मई को तेरापंथ सभा भवन में मुनिश्री डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में मातृत्व है एक वरदान रखना हर हाल में इसका ध्यान' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा, जैन दर्शन में माता मरू देवा जिनके यशस्वी पुत्र हुए भगवान ऋषभ एवं त्रिशला के पुत्र तीर्थंकर भगवान महावीर हुए। जन्म देने वाली के साथ संस्कार देने वाली माता का भी उतना ही महत्व होता है, संस्कार की अवस्था गर्भधारण से पहले और बाद में भी चलती है। बच्चे की जब तक स्वांस चलती है तब तक मातृत्व का संस्कार चलता है। विज्ञान चाहे जितना भी तरक्की कर ले आध्यात्मिकता के बिना अधूरा है। जैनसंस्कृति में कर्मवाद के अनुसार मां का अशुभ कर्म को शुभ कर्म में परिवर्तित करने में बहुत बड़ा योगदान होता है। सागर की गहराई को नापा नहीं जा सकता उसी प्रकार मां के दर्शन मातृत्व को नापा नहीं जा सकता अनुशासन पिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

दीर्घ श्वांस प्रेक्षा, महाप्राण ध्वनि एवं मंगल भावना का प्रयोग मुनिश्री द्वारा करवाया गया। मुनिश्रीजी द्वारा नवकार मंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंडल की सदस्यों ने भिक्षु अष्टकम से मंगलाचरण किया, आगुंतकों का स्वागत मंडल अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने किया, सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने अपने विचार रखे। मुनिश्री आदित्य कुमारजी ने कहा, मातृत्व इंसानियत सृजन का भाव है जन्म देने व इंसान बनाने में बहुत बड़ा फर्क है, जीवन का सृजन करना यह सबसे बड़ा गुण व कर्तव्य है। प्रशिक्षिका आयुर्वेदिक डॉ चैताली ने गर्भकाल में कैसा हो खान-पान के बारे में बतलाया कि एक स्वस्थ बच्चे के जन्म से 3 महीने पूर्व तैयारी करनी पड़ती है। सकारात्मक सोच से मन को शुद्ध करना जरूरी है, शरीर के साथ मन प्रसन्न होना चाहिए। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा डॉ चैताली से अपनी जिज्ञासाएं रखी उसका समाधान दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया ने व आभार कार्यकारिणी सदस्य संतोष सोलंकी ने व्यक्त किया। इस कार्यशाला में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की परामर्शिका लता जैन, मंत्री ज्योति संचेती, सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रमिला धोका, संगठन मंत्री पवन संचेती, परमार्थिक शिक्षण संस्था के अध्यक्ष बजरंग जैन, युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल महिला मंडल की कार्यकारिणी समिति की सदस्याएं एवं सभी सभा संस्थाओं के सदस्यों की उपस्थिति रही।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री ने जम्मू में विस्फोट से प्रभावित रिहायशी इलाके का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को जम्मू में उन दो रिहायशी इलाकों का दौरा किया जहां विस्फोट में एक मकान और बाहर खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अब्दुल्ला ने रिहाड़ी और रूप नगर में विस्फोट वाली जगह का दौरा किया और प्रभावित परिवार से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि रिहाड़ी में चार लोग नीरज गुप्ता, उनकी बेटी हिताक्षी गुप्ता, विनीत और राजिंदर कुमार विस्फोट में घायल हो गए।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''हाल ही में हुई गोलेबारी से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए आज जम्मू के रिहाड़ी और रूपनगर का दौरा किया। निवासियों की पीड़ा बेहद चिंताजनक है। हम हर प्रभावित परिवार के साथ खड़े हैं और सुनिश्चित करेंगे कि बिना किसी देरी के सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाए।'' पाकिस्तान की ओर से सिलसिलेवार संदिग्ध ड्रोन हमले किए जाने के बीच जम्मू में शनिवार की सुबह विस्फोट जैसी आवाजें सुनी गईं और सायरन बजने लगे। अधिकारियों ने पुष्टि की कि जम्मू में सुबह पांच बजे पाकिस्तान की तरफ से सिलसिलेवार ड्रोन हमले किए गए और तेज धमाकों की आवाज सुनी गई जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि शहर के रूप नगर इलाके में एक रिहायशी इमारत क्षतिग्रस्त हो गई और शहर के बनतालाब इलाके में एक महिला और एक लड़की समेत कम से कम तीन लोग घायल हो गए। शुक्रवार को लगातार दूसरी रात पाकिस्तान की तरफ से जम्मू कश्मीर से लेकर गुजरात तक भारत में 26 स्थानों को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार ड्रोन हमलों के बाद यह नवीनतम हमला है। इस बीच, उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को एक अरब डॉलर का कर्ज देने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पर निशाना साधा और कहा कि वैश्विक वित्तीय संगठन केंद्र शासित प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों को तबाह करने के वास्ते गोला-बारूद के लिए इस्लामाबाद को धन मुहैया करा रहा है। आईएमए ने शुक्रवार को मौजूदा विस्तारित निधि सुविधा के तहत पाकिस्तान को लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर तत्काल जारी करने को मंजूरी दे दी।

भारत सरकार की वेबसाइटों को अपरंपरागत साइबर युद्ध में निशाना बनाया जा रहा हैः महाराष्ट्र साइबर

मुंबई/भाषा। भारत और पाकिस्तान में सैन्य संघर्ष के बीच सीमा पार से आतंकवादी संगठन सरकारी वेबसाइटों को निशाना बनाकर एक अपरंपरागत साइबर युद्ध शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं। महाराष्ट्र साइबर के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन साइबर हमलों के पीछे मुख्य उद्देश्य प्रमुख प्रशासनिक कार्यों में जानबूझकर बाधा डालना और 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत के बाद गलत सूचना फैलाना प्रतीत होता है।

साइबर अपराध का पता लगाने वाली एजेंसी ने कहा कि उसने पाया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रणालियों और सरकारी वेबसाइटों पर लगातार साइबर हमले हुए हैं।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि सीमा पार की शत्रुतापूर्ण साइबर संस्थाओं ने आक्रामकता और साइबर युद्ध छेड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं जो एक नया तथा अपरंपरागत रूप है।

उसने कहा कि इन साइबर हमलों का उद्देश्य आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को बाधित करना और सरकारी प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता को कम करना है।

बयान में कहा गया है कि संस्थागत डिजिटल परिसंपत्तियों को सीधे निशाना बनाने के अलावा, हमलावर व्यक्तिगत उपयोगकर्ता उपकरणों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से मैलवेयर से संक्रमित फाइलें प्रसारित कर रहे थे।

मैलवेयर, दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर का संक्षिप्त रूप है, जो साइबर अपराधियों (जिन्हें अक्सर हैकर्स कहा जाता है) द्वारा डेटा चोरी करने और कंप्यूटर और कंप्यूटर प्रणाली को नुकसान पहुंचाने या नष्ट करने के लिए विकसित किसी भी घुसपैठिया सॉफ्टवेयर को संदर्भित करता है।

सहज स्मृति योग

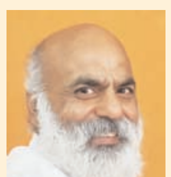

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आपके पास आने से पूर्व मैं सोचती थी कि जितने गुरुओं से मैं दीक्षा लेती जाऊँ उतनी ही अधिक दक्ष और दीक्षित होती जाऊँगी और मेरा ज्ञान बढ़ता जाएगा। मैं अब तक तो यही समझती रही कि आध्यात्मिक-दीक्षा भी कुछ ट्रेनिंग जैसी ही है जिसमें गुरु कोई विधि,मंत्र या उपदेश देते हैं किंतु, आपको सुनकर मुझे लगा जैसे में भ्रम में रहती आई हूँ। कृपया बताएं कि वास्तव में गुरु-दीक्षा क्या है?

उत्तर: दीक्षा शब्द में मूल धातु ईक्षण है जिसका मूल अर्थ होता है- दर्शन करना, दृष्टिपात करना तथा दर्शन की तीक्ष्ण इच्छा होना।गुरु-दीक्षा या दृष्टि उस व्यक्ति द्वारा दी जाती है जो दृष्टि दान करने में समर्थ हो जिस दृष्टि को प्राप्त हो हम यथार्थ स्व-रूप का दर्शन कर पाएं। गुरु-दीक्षा वस्तुतः परम सम्बन्ध की प्रतिज्ञा है जिसमें हम जिनसे गुरु दीक्षा लेते हैं वह स्वेच्छा से वचनबद्ध होते हैं कि, जब तक हम आत्म-दर्शन हेतु सुयोग्य और सुपात्र न हो जाएँ और हमें दर्शन न हो जाएं तब तक वे अपने दिए वचन (सम्बन्ध) की मर्यादा में बंधे रहेंगे। जैसे परमात्मा एक है वैसे ही गुरु केवल एक है। जैसे परमात्मा का परमात्मा कल्पित करना कुतर्क है वैसे ही गुरु का गुरु कल्पित करना भी कुतर्क है। अमूर्त परमात्मा का मूर्त रूप ही गुरु है। कुतर्क करने से बुद्धि शुद्ध नहीं रह पाती। आपकी समझ सही है। मंत्र विधि उपदेश के माध्यम से ली और दी जाती दीक्षाएँ ट्रेनिंग ही हैं, उनसे ज्ञान बढ़ता जाता है। पर, वे दीक्षाएँ परम सम्बन्ध की पर्याय नहीं हैं। आध्यात्मिक गुरु और गुरु-दीक्षा एक ही होती है।क्योंकि गुरु-शिष्य सम्बन्ध तत्वतः एक है अतः परम है।

संसद का विशेष सत्र और प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएः कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सहमति की घोषणा किए जाने के बाद शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए ताकि देश एकजुट होकर सामूहिक संकल्प प्रदर्शित कर सके। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, वाशिंगटन डीसी से आई अभूतपूर्व घोषणाओं के संदर्भ में अब यह राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है कि प्रधानमंत्री एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें।

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने पाकिस्तान की गोलाबारी में स्कूली छात्रों की मौत पर शोक जताया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में 12 वर्षीय दो स्कूली छात्रों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि पड़ोसी देश को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। 'एक्स' पर पोस्ट में मंत्री ने कहा कि पुंछ में बेवजह पाकिस्तानी गोलाबारी में दो स्कूली बच्चों की जान जाने की खबर दिल दहला देने वाली है। इस कृत्य की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। पाकिस्तान को निर्दोष स्कूली बच्चों सहित नागरिकों को निशाना बनाने और उनकी हत्या करने की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पुंछ में 12 नागरिक मारे गए, जबकि शुक्रवार को उरी और पुंछ में दो अन्य लोग मारे गए। पाकिस्तानी गोलाबारी में शनिवार की सुबह एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी समेत छह अन्य लोगों की जान चली गई।

अदाणी समूह ने खनन लॉजिस्टिक के लिए भारत का पहला हाइड्रोजन ट्रक तैनात किया

यह ट्रक 200 किलोमीटर की दूरी तक ले सकता है 40 टन माल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह ने शनिवार को कहा कि उसने छत्तीसगढ़ में खनन लॉजिस्टिक के लिए भारत का पहला हाइड्रोजन संचालित ट्रक तैनात किया है। यह ट्रप 200 किलोमीटर की दूरी तक 40 टन माल ले जा सकता है।

समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल ट्रकों को हरी झंडी दिखाई।

फर्म ने एक बयान में कहा, ''ये हाइड्रोजन संचालित ट्रक धीरे-धीरे कंपनी के लॉजिस्टिक संचालन में इस्तेमाल होने वाले डीजल वाहनों की जगह लेंगे।''

कंपनी ने कहा कि एक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी फर्म और एक प्रमुख ऑटो विनिर्माता के सहयोग से अदाणी माल परिवहन के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल बैटरी से चलने वाले ट्रक विकसित कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने रायपुर में पहले ट्रक को हरी झंडी दिखाई। इसका उपयोग गारे पेल्मा – 3 ब्लॉक से राज्य के बिजली संयंत्र तक कोयले के परिवहन के लिए किया जाएगा।

सैन्य मिशनों के लिए मानव रोबोट बनाने पर काम कर रहे डीआरडीओ के वैज्ञानिक

पुणे/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक मानव रोबोट बनाने पर काम कर रहे हैं जिसे अग्रिम मोर्चे पर सैन्य मिशन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

अधिकारी ने बताया कि डीआरडीओ के अंतर्गत आने वाली प्रमुख प्रयोगशाला अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर्स) एक ऐसी मशीन बना रही है, जो सीधे तौर पर मानव निर्देश के तहत जटिल कार्य को अंजाम दे सकती है। इसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाले वातावरण में सैनिकों के लिए खतरों को कम करना है।

अनुसंधान एवं विकास (इंजीनियर्स) के अंतर्गत आने वाले 'सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज फॉर एडवांस्ड रोबोटिक्स सेंटर' के समूह निदेशक एस. ई. तलोले ने कहा कि टीम चार साल से इस परियोजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमने ऊपरी और निचले हिस्से के लिए अलग-अलग प्रोटोटाइप विकसित किए हैं और आंतरिक परीक्षणों के दौरान कुछ कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह रोबोट जंगल जैसे कठिन इलाकों में भी काम करने में सक्षम होगा।

इस रोबोट को हाल ही में पुणे में आयोजित 'एडवांस्ड लेग्ड रोबोटिक्स' से संबंधित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रदर्शित किया गया। इसे बनाने वाली टीम फिलहाल ऑपरेटर के आदेशों को समझने और उन्हें निष्पादित करने की रोबोट की क्षमता को निखारने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

राष्ट्रीय संकट के समय देश में खाद्यान्न की कमी नहीं होने देंगेः खाप पंचायत का संकल्प

मुजफ्फरनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में खाप पंचायत ने सरकार को आश्वासन दिया है कि राष्ट्रीय संकट के समय देश में खाद्यान्न की कमी नहीं होने दी जाएगी। मुजफ्फरनगर जिले के सोरम गांव में शनिवार को आपातकालीन खाप पंचायत ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर देश को खाद्य सुरक्षा का भरोसा दिया और सभा में मौजूद खाप प्रमुखों ने सरकार को युद्ध जैसी स्थिति में भी खाद्यान्न की आपूर्ति बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस आपातकालीन बैठक में 18 से अधिक खाप प्रमुखों ने भाग लिया। इस पंचायत में बेनीवाल खाप के प्रधान नरेश टिकैत सहित अनेक प्रमुख लोग मौजूद थे। बैठक के बाद सर्व खाप के सचिव चौधरी सुभाष बालियान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खाप पंचायत ने आपातकाल में 15 मई को चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 14वीं पुण्यतिथि पर जिला प्रशासन की देखरेख में मुजफ्फरनगर जिला मुख्यालय पर रक्तदान शिविर लगाने का भी निर्णय लिया है। इसके पहले उन्होंने कहा कि बैठक में शामिल खाप नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकारी प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

ओवैसी ने पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रों के निरस्त्रीकरण के लिए वैश्विक कदम उठाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के निरस्त्रीकरण का आह्वान करते हुए कहा कि यह देश वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है।

हैदराबाद के सांसद ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हमें एक ऐसे देश के खिलाफ बहुत मजबूती से खड़े होने की जरूरत है, जो पूरी दुनिया के लिए खतरा है। कभी न कभी, वैश्विक नेताओं को यह तय करना होगा कि क्या इस देश को परमाणु बम रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। उनके परमाणु बमों के निरस्त्रीकरण की जरूरत है। ओवैसी ने हाल के घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ड्रोन श्रीनगर हवाई अड्डे के पास पहुंचे और अस्पतालों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि हमारे सैनिक कितनी बहादुरी से उनका सामना कर रहे हैं। हम उन्हें बताना चाहते हैं कि हम लड़ना नहीं चाहते, लेकिन अगर कोई चाहता है, तो हमें लड़ना होगा। ओवैसी ने सभी भारतीयों से राजनीति से परे हटकर भारत व पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के मद्देनजर देश के सशस्त्र बलों के पीछे मजबूती से खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान को हाल ही में एक अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण की मंजूरी दिये जाने की आलोचना करते हुए कहा, वे (पाकिस्तान) भिखारी हैं।

उन्होंने आईएमएफ से एक अरब अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया। यह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष नहीं, वे पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय उग्रवादी कोष दे रहे हैं। अमेरिका, जर्मनी और जापान इस पर कैसे सहमत हो गए? हमारी जमीन, हमारे घरों, हमारे सैनिकों पर हमले हो रहे हैं, उन्हें ऋण मिला। एआईएमआईएम नेता ने दावा किया कि पाकिस्तान शासन और आर्थिक प्रबंधन में 'विफल' रहा है।

जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तान की गोलाबारी में प्रशासनिक अधिकारी, सेना के जेसीओ समेत छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू क्षेत्र में शनिवार तड़के पाकिस्तान की ओर से दागे गए मोर्टार और ड्रोन हमलों में जम्मू-कश्मीर सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी और सेना के एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) समेत छह लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गोलाबारी से प्रभावित आवासीय इलाकों का दौरा किया और हाल में सीमा पार से हुई गोलाबारी में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की। वहीं, पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए और लोगों से नष्ट ड्रोन, मोर्टार के अवशेष से दूर रहने को कहा। जम्मू शहर और संभाग के अन्य प्रमुख कस्बों में सुबह पांच बजे विस्फोट की आवाजें सुनी गईं और सायरन बजने लगे। सीमा पार से हो रही भीषण गोलाबारी के कारण सीमावर्ती इलाकों में निवासी रात भर जागते रहे। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर से पश्चिमी सीमाओं पर शनिवार को भी ड्रोन हमले और अन्य हथियारों से गोलीबारी जारी रहे। उन्होंने कहा, ''भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करने और भारतीय नागरिकों को खतरे में डालने का पाकिस्तान का प्रयास अस्वीकार्य है। भारतीय सेना दुश्मन के मंसूबों को नाकाम कर देगी। अधिकारियों ने बताया कि राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा और उनके स्टाफ के दो सदस्य शहर में उनके (थापा के) आवास पर गोला गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सभी को सरकारी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां थापा ने दम तोड़ दिया।

अधिकारी की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''राजौरी से दुखद समाचार मिला। हमने जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा के एक निष्ठावान अधिकारी को खो दिया। उन्होंने (थापा ने) कल ही उपमुख्यमंत्री के साथ जिले में व्यवस्थाओं का जायजा लिया था और वह मेरी अध्यक्षता में ऑनलाइन माध्यम से हुई बैठक में भी शामिल हुए थे।'' उन्होंने कहा, ''राजौरी शहर को निशाना बनाकर पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलाबारी में उनका (थापा का) आवास चपेट में आ गया और अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा की मौत हो गई। मेरे पास अपने दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।'' अधिकारियों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के निवासी सूबेदार मेजर पवन कुमार शनिवार सुबह पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में अपनी चौकी के पास पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद हो गए। अधिकारियों ने बताया कि राजौरी शहर में एक औद्योगिक क्षेत्र के पास पाकिस्तान की गोलाबारी में आयशा नूर (दो) और मोहम्मद शोहिब (35) की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री और अन्य राज्यों के नेताओं ने भी पाक-भारत संघर्षविराम का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का स्वागत करते हुए कहा कि युद्ध अनावश्यक था। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा,मैं युद्ध विराम का स्वागत करता हूं क्योंकि हम युद्ध नहीं चाहते हैं।

सिद्दरामय्या ने याद दिलाया कि भारत और पाकिस्तान के बीच शांति के लिए उनकी पिछली अपील ने विवाद को जन्म दिया था, जिसमें विपक्षी भाजपा ने उनके रुख की आलोचना की थी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को इस संघर्ष विराम का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों के लिए अच्छा बताया। उन्होंने कहा, दोनों देश संघर्षविराम के लिए सहमत हो गये हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से इसका स्वागत करता हूं।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा यह कहा है कि वह राष्ट्र के हित में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का दृढ़ता से समर्थन करेगी। उन्होंने कहा, हालांकि संघर्ष विराम की घोषणा की गई है, लेकिन आतंकवाद को संघर्ष विराम से कोई मतलब नहीं है। हमें अब भी सतर्क रहने की जरूरत है, यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम भारत के हर हिस्से और देश के बाहर से आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए अभी जो कर रहे हैं, उससे ज्यादा करें।

कार शो

मैसूरु के एक कार शो रूम में शनिवार को विंटेज कार शो ने लोगों को आकर्षित किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक और दिल्ली की सरकारों ने अधिकारियों को आवश्यक वस्तुओं की अवैध जमाखोरी और उनकी कालाबाजारी पर नकेल कसने के निर्देश दिये हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए जमाखोरों व कालाबाजारी करने वालों के साथ ही फर्जी खबरों पर लगाम लगाने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने वालों पर भी कड़ी नजर रखने की जरूरत पर जोर दिया।

सिद्दरामय्या ने कहा, अवैध जमाखोरी व उनकी कालाबाजारी से जुड़ी गतिविधियों पर लगातार निगरानी होनी चाहिए और अनावश्यक रूप से वस्तुओं की कीमत बढ़ाने के प्रयासों को रोका जाना चाहिए। उन्होंने सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे तब तक रोजाना मीडिया को इस बारे में जानकारी दें जब तक कि मौजूदा संकट पर काबू नहीं पा लिया जाता।

मुख्यमंत्री ने कहा, सभी उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक उन सभी लोगों की सूची तैयार करें, जो देश और राज्य के सौहार्द को खतरे में डालने, सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने, सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने और देश की सुरक्षा को खतरे में डालने की साजिश रचने के लिए स्थिति का फायदा उठा रहे हैं तथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें। बैठक में अधिकारियों को सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांप्रदायिकता फैलाने वालों की सूची को अद्यतन किया जाना चाहिए और उन पर नजर रखी जानी चाहिए। सिद्दरामय्या ने राज्य में फर्जी खबरों पर अंकुश लगाने और इन्हें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

गेल ने कर्नाटक में एक गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए समझौता किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस उपयोगिता कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने कर्नाटक सरकार के साथ राज्य में एक गीगावाट तक की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की संभावना तलाशने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा, एमओयू के तहत, कर्नाटक सरकार गेल को राज्य सरकार की मौजूदा नीतियों/नियमों और विनियमों के अनुसार राज्य के संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति/पंजीकरण/अनुमोदन/मंजूरी/प्रोत्साहन आदि प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करेगी। गेल का इरादा पांच साल के भीतर एक गीगावाट तक की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने का है।

हालांकि, गेल ने परियोजना के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। कंपनी 2035 तक अपने परिचालन के लिए शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य बना रही है, और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं उस लक्ष्य को प्राप्त करने की योजना का हिस्सा हैं। समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर नौ मई, 2025 को बेंगलूरु में कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एमबी पाटिल और कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज की उपस्थिति में राज्य के वाणिज्य और उद्योग विभाग के प्रधान सचिव एस सेल्वाकुमार और गेल के कार्यकारी निदेशक (एसडी और नवीकरणीय) परिवेश चुघ ने किए।

इस मौके पर पाटिल ने कहा, हम कर्नाटक में गेल की रणनीतिक रुचि का स्वागत करते हैं। यह समझौता ज्ञापन औद्योगिक वृद्धि को बढ़ावा देते हुए स्वच्छ ऊर्जा निवेश को सुविधाजनक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इंजीनियरिंग कॉलेज के महिला छात्रावास की दीवार पर भड़काऊ नारे लिखे गए, मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। कर्नाटक में उडुप्पी जिले के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के महिला छात्रावास में शौचालय की दीवार पर धार्मिक समुदायों को लक्ष्य कर भड़काऊ और अश्लील भित्तिचित्र बने पाये गये। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सात मई की शाम को सामने आई, जब करकला तालुका के निट्टे में स्थित बालिका छात्रावास के मुख्य ब्लॉक के शौचालय की दीवार पर अंग्रेजी में भड़काऊ नारे लिखे पाए गए।

इसने बताया कि सूचना मिलने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, ये नारे दो समुदायों के बीच वैमनस्य भड़काने के लिए लगाए गए थे। आपत्तिजनक भाषा में लिखे गए इन नारों की शिकायत छात्रावास प्रबंधक ने स्थानीय पुलिस से की।

बयान के अनुसार शिकायत के आधार पर, करकला ग्रामीण पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (2) (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी, घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने या बढ़ावा देने के इरादे से झूठी सूचना, अफवाह या खतरनाक समाचार युक्त बयान बनाने, प्रकाशित करने या प्रसारित करने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया है। उडुप्पी जिले के पुलिस अधीक्षक अरुण के. ने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है और हम जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए प्रयासरत हैं। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और मामले के संबंध में छात्रों से पूछताछ की जा रही है। इसने बताया कि हालांकि प्रारंभिक रिपोर्ट में एक छात्रा की संलिप्तता का संकेत मिला है। कॉलेज प्रशासन ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

बुद्ध पूर्णिमा पर बेंगलूरु में मांस की बिक्री प्रतिबंधित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने बुद्ध पूर्णिमा के मद्देनजर 12 मई को शहर में पशुओं के वध और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह आदेश बेंगलूरु में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक द्वारा नौ मई को जारी किया गया। बुद्ध पूर्णिमा गौतम बुद्ध के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है।

सामान्य स्थिति बहाल होने तक पुलिसकर्मियों की छुट्टियां मंजूर नहीं की जाएंगी : जी.परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि देश में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए पुलिसकर्मियों को छुट्टियां नहीं दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या आज शाम एक विशेष बैठक करेंगे। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस समय हम पुलिसकर्मियों की कोई छुट्टी स्वीकृत नहीं करेंगे, क्योंकि हमें नहीं पता कि सामान्य स्थिति कब बहाल होगी। सामान्य स्थिति बहाल होने पर केंद्र हमें सूचित करेगा। तब तक हमें सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को हर जगह, खासकर तटीय क्षेत्र में विशेष रूप से सतर्क रहना होगा।

मंत्री ने कहा, युद्ध के दौरान हमारे पिछले अनुभव से सीखते हुए, तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा मजबूत होनी चाहिए। हमें उत्तर कन्नड़ से लेकर दक्षिण कन्नड़ तक तटीय रेखा पर सतर्क रहना होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि सिद्दरामय्या किसी भी स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार की तैयारियों की समीक्षा के वास्ते गृह और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंती ने भारतीय सशस्त्र बलों के समर्थन में विशाल रैली निकाली

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता दिखाने के उद्देश्य से आयोजित एक विशाल रैली का नेतृत्व किया। इस रैली में राज्य के मंत्री, अधिकारी, पुलिस महानिदेशक शंकर जीवाल, एनसीसी कैडेट, छात्र, एनएसएस स्वयंसेवक, पुलिस और अग्निशमन सेवा कर्मी, पूर्व सैनिक व अन्य लोग शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने मरीना समुद्र तट से लेकर आइलैंड ग्राउंड के पास स्थित युद्ध स्मारक तक लगभग 3.7 किलोमीटर लंबी रैली निकाली। इस दौरान, सभी प्रतिभागियों ने हाथ में तिरंगा थाम रखा था।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता दिखाने के वास्ते रैली निकालने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। रवि ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारा देश अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा है और आतंकवाद के हर रूप के सफाये तथा देश की संप्रभुता की रक्षा करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

मानसून के 27 मई को केरल पहुंचने की संभावना : आईएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली/भाषा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के 27 मई को केरल पहुंचने की संभावना है, जो आमतौर पर एक जून को दस्तक देता है।

आईएमडी के आंकड़े के अनुसार, यदि मानसून केरल में उम्मीद के अनुरूप पहुंचता है, तो यह 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर मानसून का समय से पहले आगमन होगा। तब मानसून ने 23 मई को दस्तक दी थी। भारतीय मुख्य भूमि पर मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा तब की जाती है जब यह केरल पहुंचता है, आमतौर पर एक जून के आसपास।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 8 जुलाई तक पूरे देश में छा जाता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस हो जाता है। मानसून पिछले साल 30 मई को दक्षिणी राज्य में आया था, 2023 में 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को, 2020 में 1 जून को, 2019 में 8 जून को और 2018 में 29 मई को केरल आया था।

आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि मानसून के आगमन की तिथि और पूरे देश में इस मौसम में होने वाली कुल वर्षा के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। अधिकारी ने कहा, केरल में मानसून के जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह पहुंचेगा। यह बड़े पैमाने पर परिवर्तनशीलता और वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय स्थितियों पर निर्भर होता है।

आईएमडी ने अप्रैल में 2025 के मानसून में सामान्य से अधिक कुल वर्षा का पूर्वानुमान जताया था और अल नीनो परिस्थितियों की संभावना को खारिज कर दिया था, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम वर्षा से जुड़ी है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम रविचंद्रन ने कहा था, ''भारत में चार महीने के मानसून (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।''

केनरा बैंक ने सभी अवधियों के लिए एमसीएलआर दर में 0.10 प्रतिशत की कटौती की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अधिकांश अवधियों के लिए कोष आधारित उधार दर (एमसीएलआर) की सीमांत लागत में 0.10 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे कर्ज सस्ते हो जाएंगे। केनरा बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल की अवधि का एमसीएलआर मौजूदा दर 9.10 प्रतिशत के मुकाबले नौ प्रतिशत रह जाएगा। बेंचमार्क एमसीएलआर का उपयोग वाहन और व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों की कीमत तय करने के लिए किया जाता है। बैंक ने बताया कि एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 8.25-8.80 प्रतिशत के दायरे में होगी। एक दिन की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.30 प्रतिशत के मुकाबले 8.20 प्रतिशत होगी। बैंक ने कहा कि उसकी नई सीमांत एमसीएलआर 12 मई से प्रभावी होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करके इसे छह प्रतिशत कर दिया था। यह कटौती इस साल लगातार दूसरी बार की गई है।

तमिलनाडु के स्कूल ने पोप लियो 14वें के साथ बिताए पलों को याद किया

चेन्नई। तमिलनाडु में पोलाची के एक स्कूल ने अपने परिसर में कैथोलिक चर्च के नए प्रमुख पोप लियो 14वें के बिताए गए पलों को याद किया। नए पोप लियो 2006 में प्रायर जनरल के रूप में कार्य करते हुए इस स्कूल के परिसर में आए थे। कोयम्बटूर जिले के पोलाची स्थित 'शेनबागम मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल' में पोप लियो 14वें के निर्वाचन की खबर आने पर जश्न का माहौल देखा गया था। फादर विल्सन इंजेरप्पू, ऑर्डर ऑफ सेंट ऑगस्टीन (ओएसए), भारत में ऑगस्टीनियन ऑर्डर के क्षेत्रीय पादरी ने स्कूल में वर्तमान पोप के दौरे को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कोच्चि से पोलाची तक कार से यात्रा की थी। उन्होंने कहा कि वह बहुत दयालु और विनम्र व्यक्ति हैं। फादर इंजेरप्पू ने कहा, फादर रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट (तत्कालीन), जिन्होंने पोप चुने जाने के बाद अब अपना नाम लियो 14 रखा है, ने स्कूल के छात्रों को प्रोत्साहित किया था। फादर बीनू येसुदासन ने कहा कि उन्हें बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि फादर प्रीवोस्ट स्कूल में आए थे और उन्हें आशीर्वाद दिया था। फादर सुमेश जोसेफ इल्लिकापरम्बिल ने फादर प्रीवोस्ट की पोलाची में स्कूल के फाटक के सामने खड़े होने की एक तस्वीर साझा की जो वायरल हो गई।

मॉक ड्रिल

मैसूरू में शनिवार को नागरिक सुरक्षा कर्मी अंबाविलास पैलेस परिसर में गृह मंत्रालय (एमएचए) के निर्देशन में आयोजित एक मॉक ड्रिल, ऑपरेशन अभ्यास में भाग लेते हुए।

राजभवन में राज्यपाल की अध्यक्षता में हुई सर्व धर्म सद्भाव बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सर्व धर्म सद्भाव भारत की संस्कृति है। उन्होंने कहा की राष्ट्र के लिए यह समय संवेदनशील है। उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बगैर नागरिक ठिकानों को केन्द्र में रखते हुए वह बहुत संयमित ढंग से कार्यवाही कर रही है। उन्होंने सभी धर्म के अनुयायियों को सद्भाव बनाए रखते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

बागड़े ने कहा कि हमारी सेना संयमित और रक्षात्मक कार्यवाही कर रही है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता की इस घड़ी में परस्पर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान का बहुत बड़ा भू भाग सीमा से लगा हुआ है। उन्होंने सीमावर्ती जैसलमेर, फलोदी, बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर आदि क्षेत्रों में हो रही कार्यवाही की चर्चा करते हुए कहा कि वहां सभी स्तरों पर सतर्कता और तालमेल रखा जाए।

बागड़े शनिवार को राजभवन में सर्व धर्म सद्भाव बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बहुत संवेदनशील होकर समयबद्ध प्रभावी कदम उठाए गए है। नागरिक सुरक्षा के प्रभावी प्रबंध किए गए हैं। राज्य सरकार ने सभी रेस्क्यू बंदोबस्त किए हैं। उन्होंने सर्व धर्म सद्भाव के साथ विकास की भारतीय नीति को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्र प्रथम की सोच से कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार इस समय हर क्षेत्र में सक्रिय होकर कार्य कर रही है। उन्होंने सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों से सावधान रहने, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज प्रसारित होने की घटनाओं को ध्यान में रखकर कार्यवाही करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सद्भाव और मेलजोल में कमी नहीं आए, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि बोर्डर पर सभी रिक्त पदों को भरने की त्वरित कार्यवाही की गयी है। बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ब्लड बैंक, एम्बूलेंस और अन्य साधनों के प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने आम जन से आह्वान भी किया कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लेक आउट को देखते हुए शादीविवाह दिन में ही करें। ऐसे अवसरों पर ड्रोन का उपयोग प्रतिबंधित किया हुआ है। इसे ध्यान में रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में राहत कार्यों के लिए पांचपांच करोड़ रूपये प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा उनके निकट के जिलों के लिए भी ढाई ढाई करोड़ का प्रावधान किया गया है। आरएसी, होमगार्ड और पुलिस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती जिलों में भेजी गयी है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि बोर्डर पर रातरात भर जागकर लोग सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं और उनमें राष्ट्र के प्रति विशेष जज्बा देखने को मिल रहा है। उन्होंने प्रशासन और पुलिस द्वारा मुस्तैद रहकर कार्य किए जाने की भी सराहना की।

इससे पहले विभिन्न धर्मो के प्रतिनिधियों ने सर्व धर्म सद्भाव की भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि संवेदनशीलता के इस समय में वह अपने स्तर पर सभी तरह से सहयोग देने के लिए तत्पर हैं। बैठक में मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा द्वारा और जैन समाज द्वारा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में ग्यारह, ग्यारह लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंदकुमार, कार्मिक विभाग के सचिव डॉ. कृष्णाकांत पाठक पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ, जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

झुंझुनू में तीन नवजात बच्चों का नाम रखा 'सिंदूर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवलगढ़ कस्बे के जिला अस्पताल में छह और सात मई को जन्मे तीन बच्चों का नाम सिंदूर रखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सात मई को सुबह जब ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा थी, तो इस दिन को ऐतिहासिक और देश के लिए गौरवशाली दिन मानते हुए तीन प्रसूताओं और उनके परिवार के सदस्यों ने अपने बच्चों का नाम सिंदूर ही रख दिया। तीनों ही प्रसूताओं के परिवार का कोई न कोई सदस्य पहले से फौज में है। ऐसे में उन्होंने भी संकल्प लिया है कि वे भी अपने बच्चों को देश सेवा का पाठ पढ़ाते हुए उनके जन्मदिन और उनके नाम की गौरवशाली कहानी भी बताएंगे और उन्हें सेना में भेजेंगे। सीकर जिले के बेरी गांव की रहने वाले प्रभुदयाल की पत्नी सीमा ने सात मई को सुबह 10 बजे जिला अस्पताल नवलगढ़ में लड़के को जन्म दिया। सीमा के पहले से एक पांच वर्ष की बेटी गर्वी है, लेकिन अब लड़के का नाम सिंदूर रखा है। इसी तरह कुमावास गांव के रणवीर सिंह की पत्नी कंचन ने सात मई को दोपहर सवा बारह बजे एक बेटी को जन्म दिया। परिजनों ने उसका नाम भी सिंदूर रखा है। रणवीर सिंह के ताऊ सेवानिवृत्त फौजी हैं। इसी प्रकार छह मई को दिन में एक बजे झाझड़ गांव निवासी सुनिल सैनी की पत्नी संजू ने भी एक लड़के को जन्म दिया। उसने अगले दिन अपने बेटे का नाम सिंदूर रख दिया। सुनील सैनी के बहनोई सेना में है। तीनों ही प्रसूता और उनके परिजन अपने बच्चों के नाम सिंदूर रखकर काफी खुश नजर आ रहे हैं।

कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक चौबीस घंटे की अवधि में राज्य में कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) में 43 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान चूरू में 38.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.0 डिग्री कम है। इसके अनुसार राज्य में आंधी-बारिश की गतिविधियों में 12-13 मई से कमी होने तथा तापमान में तीन से पांच डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

वर्तमान परिस्थितियों में सभी दलों का सहयोग आवश्यक : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम परिस्थितियों का विश्लेषण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अहम निर्णय ले रहे हैं। इसमें सरकार को सभी दलों का भी सहयोग मिलना बेहद आवश्यक है।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी दलों से एकजुटता और आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रदेश हित में सरकार के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए सभी रिक्त पदों को तुरंत भरने की कार्यवाही की जा रही है। शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में परिवहन, शिविर, दवाईयां, उपकरण, प्रभावितों के लिए भोजन सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, हनुमानगढ़ एवं फलौदी जिलों के लिए रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत के मुताबिक आरएसी, आपदा राहत बलों, सिविल डिफेंस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने के लिए लगाई गई है। सीमावर्ती जिलों के प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिव अपने क्षेत्रों में सतत सम्पर्क एवं प्रशासन के साथ निरन्तर समन्वय बनाए हुए हैं। पुलिस एवं प्रशासन की टीमें कोई भी सूचना मिलने पर पहुंचकर मुस्तैदी से आवश्यक कार्रवाई कर रही हैं। शर्मा ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में प्रशासन सुरक्षा एजेन्सियों से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप ब्लैकआउट एवं आवागमन प्रतिबंधों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करवा रहा है, जिसमें नागरिकों का भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। शादियों व अन्य समारोहों में तेज रोशनी, चकाचौंध एवं आतिशबाजी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी ड्रोन को उड़ाने पर भी पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन को पर्याप्त मात्रा में सायरन की सुदृढ़ व्यवस्था करने और विभिन्न प्रकार के सायरन संकेतों के बारे में जनसाधारण को टीवी चैनल, रेडियो, सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

राजस्थान में वर्तमान परिस्थितियों में की जा रही सिविल डिफेंस तैयारियों की गई समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में वर्तमान परिस्थितियों में की जा रही सिविल डिफेंस तैयारियों की समीक्षा की गई और आपदा प्रबंधन, बिजली प्रबंधन, चिकित्सा सेवाएं, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय जयपुर मे नागरिक सुरक्षा सलाहकार समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी और इस दौरान पंत ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार नागरिक सुरक्षा सिस्टम को सक्रिय करने के निर्देश दिए। राज्य के रणनीतिक महत्व को देखते हुए उन्होंने किसी भी सम्भावित परिस्थिति के मद्देनजर आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने होमगार्डस, अग्निशमन सेवाएं तथा नागरिक सुरक्षा विभाग, जिला प्रशासन तथा राज्य आपदा प्रबंधन के सभी हितधारकों तथा सम्बंधित विभागों को आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के सभी सुचारू एवं वास्तविक क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस अभ्यास में सायरन के साथ संभावित हवाई हमले की तैयारी तथा ब्लैकआउट उपाय, भवनों में आग की घटनाओं, तलाश एवं बचाव कार्य, घायलों को बाहर निकालना, प्राथमिक उपचार तथा अति जोखिम वाले क्षेत्र से नागरिकों का निकास शामिल है।पंत ने नागरिक सुरक्षा जागरूकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य में किसी भी संभावित आपदा के लिए सामुदायिक तैयारी अनिवार्य है। उन्होंने नागरिक सुरक्षा पर बल देते हुए कहा कि इसमें शांति तथा आपदाकाल में नागरिकों तथा सम्पत्तियों को सुरक्षित करने के लिए व्यवस्थित प्रयास शामिल हैं। मुख्य सचिव ने नागरिक सुरक्षा वार्डन तथा स्वयं सेवक समूह, राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना के नामांकन और संवेदनशील जगहों को चिन्हित करना, चेतावनी पद्धति के क्रियान्वयन, ब्लैकआउट और नागरिक सुरक्षा योजना का अभ्यास, चिकित्सा सहायता, भोजन, पानी और अग्निशमन आदि आपातकालीन सेवाओं और नागरिक प्रशिक्षण तथा जागरूकता अभियान के संचालन की समीक्षा की।

नागरिक सुरक्षा विभाग के निदेशक जगजीत सिंह मोंगा ने प्रदेश में नागरिक सुरक्षा संरचना पर गृह रक्षा, अग्निशमन सेवाएं तथा नागरिक सुरक्षा के संबंध में विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने मजबूत नागरिक सुरक्षा प्रणाली पर बल देते हुए प्रदेश के रणनीतिक महत्व को देखते हुए कहा कि इस समय सभी तैयारियां अत्यंत आवश्यक है।

कई सीमावर्ती जिलों में सुबह 'रेड अलर्ट' रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चुरू में शनिवार सुबह प्रशासन ने 'रेड अलर्ट' घोषित किया और लोगों से अपील की कि वे घबराए नहीं और घरों में रहें। हालांकि, बाद में लगभग दस बजे प्रशासन ने 'ग्रीन अलर्ट' की घोषणा की। हनुमानगढ़ जिला प्रशासन ने सुबह लगभग साढ़े आठ बजे 'रेड अलर्ट' की सूचना देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, रेड अलर्ट..घरों में रहें, बाहर ना घूमें...जो जहां है, वो वहीं रहे। इसी तरह श्रीगंगानगर व चुरू जिला प्रशासन ने भी 'हवाई हमले का रेड अलर्ट' घोषित करते हुए लोगों से सचेत रहने की अपील की जिसमें लोगों से कहा गया कि सभी अपने घरों के अंदर सुरक्षित रहें, जिला प्रशासन/ जिला पुलिस के निर्देशों की पालना कर पूर्ण सहयोग करें, घर/दफ्तर में ही रहें, बाहर न निकलें और घबराए नहीं। चुरू के जिलाधिकारी अभिषेक सुराणा ने लोगों से अपील की कि वे आपातकालीन परिस्थितियों के मद्देनजर समुचित सावधानियां और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों की पालना करें।

उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। श्रीगंगानगर जिला प्रशासन ने लगभग दस बजे हालात सामान्य होने की सूचना दी। सोशल मीडिया पर लिखा, ग्रीन अलर्ट... अब ग्रीन अलर्ट है। सब ठीक है। आवश्यक होने पर ही घर से निकलें और जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों की पालना करें। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश इलाकों में शुक्रवार रात 'ब्लैकआउट' रहा। यहां खासकर बाड़मेर में लोगों को सचेत करने के लिए कई बार सायरन बजाए गए। शुक्रवार रात पोकरण, जैसलमेर व बाड़मेर में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमले किए गए लेकिन वायु रक्षा प्रणाली ने ड्रोन को हवा में ही मार गिराया गया। इस सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई हालांकि शनिवार सुबह बाड़मेर और जैसलमेर में विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध वस्तुएं या ड्रोन का मलबा जैसी वस्तुएं मिलीं। पुलिस ने कहा, शनिवार सुबह बायतु और बालोतरा में संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। जैसलमेर के बडोडा गांव में एक और वस्तु मिली।

शुक्रवार रात जोधपुर के साथ-साथ बाड़मेर, श्रीगंगानगर, फलोदी सहित अनेक जिले अलर्ट पर रहे और वहां 'ब्लैकआउट' रहा। इस बीच, सीमावर्ती इलाकों में लोग प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं और उनका हौसला बढ़ा रहे हैं।

जैसलमेर निवासी डॉ. जालम सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम दो रात से सोए नहीं हैं। बृहस्पतिवार रात को जहां दहशत का माहौल था, वहीं जिस तरह से हमारे सुरक्षा बलों ने दुश्मन देश के हमलों को विफल करते हुए ड्रोन को मार गिराया। इससे हमारा भरोसा बढ़ा है कि पाकिस्तान की ओर से होने वाले हमले हमें नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। उनके परिवार के साथ-साथ इलाके के कई अन्य लोगों ने 'ब्लैक आउट' दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया और सुनिश्चित किया कि किसी भी घर से एक भी लाइट न जले। उनकी पत्नी बबीता ने कहा, इन दिशा-निर्देशों का पालन करना हमारा कर्तव्य है; यह हमारी सुरक्षा के लिए है।

एक अन्य निवासी उमेश आचार्य ने कहा कि मौजूदा हालात की तुलना कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन से की जा रही है, जब लोग अपने घरों तक ही सीमित थे। उन्होंने कहा, हम शाम पांच बजे से छह बजे तक घर लौट आते हैं और अंदर ही रहते हैं। हमारे सुरक्षा बल सतर्क हैं और पाकिस्तान को सबक सिखाने में सक्षम हैं। सेवानिवृत्त वन रेंजर जैठमल सिंह ने कहा कि 1971 के युद्ध के दौरान जैसा डर था वैसा भय इस बार नहीं है। उन्होंने कहा, इन हमलों के खिलाफ वायु रक्षा प्रणाली की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के कारण हमारे अंदर यह आत्मविश्वास जगा है। जिला प्रशासन ने लोगों को पहले से सचेत करने में बहुत बढ़िया काम किया है। उन्होंने याद किया कि 1971 के युद्ध के दौरान, मुख्य रूप से रेडियो के माध्यम से सूचना बहुत कम थी।

जैठमल सिंह ने कहा, उस समय अफवाह और व्यापक भय फैला हुआ था। स्थिति बहुत अनिश्चित थी और लोग बहुत चिंतित थे। आज, हमारी सेना अत्यधिक सक्षम है और हमारे पास टेलीविजन और मोबाइल फोन के माध्यम से वास्तविक समय की जानकारी तक पहुंच है। हम दो दिन से टीवी देख रहे हैं और मोबाइल फोन पर अपडेट ले रहे हैं। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार रात को उत्तर में जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लेकर दक्षिण में गुजरात के भुज तक अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर 26 स्थानों पर ड्रोन देखे गए। अधिकारियों ने कहा, इनमें हथियारों से लैस संदिग्ध ड्रोन भी शामिल थे जो सैन्य और असैन्य प्रतिष्ठिनों को नुकसान पहुंचा सकते थे। जिन स्थानों पर ड्रोन देखे गए उनमें जम्मू कश्मीर में बारामूला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा और जम्मू, पंजाब में फिरोजपुर, पठानकोट और फाजिल्का, राजस्थान में जैसलमेर, लालगढ़ जटाना एवं बाड़मेर और गुजरात में भुज, कुआरबेट और लाखी नाला शामिल हैं।

पोषाहार वितरण में होने वाली शिकायतों का पारदर्शिता से हो निस्तारण : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय स्थित उनके कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं तथा महिला अधिकारिता निदेशालय) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आई एम शक्ति के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने उड़ान योजना में सेनिटरी नेपकिन की वितरण व्यवस्था के मैकेनिज्म मे पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुहिक विवाह की सूचना 7 दिवस पहले विभाग के पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। दीया कुमारी ने वर्क फ्रॉम होम योजना पर चर्चा करते हुए चौटबोट विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृता हाट को बड़े स्तर पर आयोजित करने एवं इनमें माहिलाओं की सहभागिता बढ़ाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने किराये के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को शीघ्रता से विद्यालयों में शिफ्ट करने निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पोषाहार वितरण में होने वाली शिकायतों का पारदर्शिता से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

गौमाता के संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग हर हाल में करें बंद : दिलावर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को राजसमंद में श्रीमती कंकुबाई-सोहनलाल जी धाकड़ की स्मृति में मंगल चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से 15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिशोदा के नवीन, भव्य, आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त भवन का लोकार्पण किया। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि वे इस विद्यालय का नाम श्रीमती कंकुबाई-सोहनलाल जी धाकड़ राउमावि शिशोदा करने की घोषणा करते हैं। दिलावर ने कहा कि उन्होंने इससे भव्यतम भवन पहले नहीं देखा। यहाँ जीव विज्ञान, गणित, कृषि विज्ञान सहित आधुनिक विषय पढ़ने की सुविधा होगी, सरकार यहाँ अधिकतम सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास करेंगी जिससे बच्चे पढ़-लिख कर खूब आगे बढ़ें। न सिर्फ अध्ययन, बल्कि यहाँ खेल क्षेत्र के उत्थान को लेकर भी हम प्रतिबद्ध रहेंगे। महाराणा प्रताप की यह धरती सदैव पूजनीय है, सरकार यहाँ सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि अपने माता-पिता के सम्मान और स्मृति में निर्मित इस विद्यालय से श्रेष्ट कार्य और कोई नहीं हो सकता।

संत रविदास का दर्शन ही विकसित भारत संकल्प का प्रेरणास्रोत : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का संकल्प, सद्गुरु संत रविदास जी की प्रेरणा से ही आगे बढ़ रहा है।

शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राचीन संत रविदास मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य और नवनिर्मित सत्संग भवन का लोकार्पण किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने यहां सामूहिक सहभोज कार्यक्रम में शामिल होकर संतों के साथ प्रसाद भी ग्रहण किया।

इससे पहले उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री का विकसित भारत का संकल्प, सद्गुरु संत रविदास जी की प्रेरणा से ही आगे बढ़ रहा है।

योगी ने कहा, संत रविदास ने कहा था, ''ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न, छोट बड़ा सब संग बसे, रैदास रहे प्रसन्न'', उनका यही दर्शन प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प का आधार है।

योगी ने कहा कि हमारा देश तभी विकसित भारत बनेगा, जब हम एकजुट होकर जातिगत और आर्थिक विषमताओं को दूर कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक नई अयोध्या का निर्माण हो रहा है और आज संत रविदास मंदिर के सौंदर्यीकरण और सत्संग भवन के लोकार्पण के साथ यह प्रक्रिया और सशक्त हुई है। उन्होंने इसके लिए महंत बनवारी पति ब्रह्मचारी जी महाराज को बधाई दी। योगी ने संत रविदास को मध्यकालीन संत परंपरा का सिद्ध संत बताते हुए कहा कि उन्होंने कर्मप्रधान व्यवस्था के माध्यम से सामाजिक चेतना को जागृत किया और सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाई।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काशी में सीर गोवर्धन को 10 वर्षों में भव्य स्वरूप दिया गया है और अयोध्या का कायाकल्प भी उसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने अयोध्या में फोरलेन सड़कों, महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, माता शबरी के नाम पर अन्न क्षेत्र, निषाद राज के नाम पर यात्री विश्रामालय और राम की पैड़ी व सरयू घाट के सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों का उल्लेख किया।

भारत को धार्मिक आधार पर बांटा नहीं जा सकता : उपराज्यपाल वीके सक्सेना

नयी दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को कहा कि भारत को धार्मिक आधार पर बांटा नहीं जा सकता और उन्होंने देश की बहुलवादी पहचान की ताकत पर जोर दिया। सक्सेना यहां राज निवास पर आयोजित 'सर्व धर्म सभा' को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के नेता, वरिष्ठ अधिकारी और दिल्ली सरकार के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हुए।

उपराज्यपाल ने कहा, इस देश की एक विशेषता है–यहां हर धर्म न केवल अपना अस्तित्व बनाए रखने में सफल रहा है, बल्कि फला–फूला भी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, जब पिछले महीने आतंकवादियों ने हमारे 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी, तो हर भारतीय न्याय चाहता था। मैं सशस्त्र बलों, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद देती हूं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर राजा इकबाल सिंह व अन्य कार्यक्रम में मौजूद थे।

संघर्ष-विराम की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार शाम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित शीर्ष सरकारी अधिकारियों के साथ यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

यह बैठक इस घोषणा के बाद हुई कि भारत और पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सहमति बन गई है।

बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने शनिवार शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है।

विदेश सचिव की यह संक्षिप्त घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस पोस्ट के बाद आई कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष–विराम पर सहमत हो गए हैं।

मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने शनिवार दोपहर 3.35 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन किया।

कांग्रेस के शासन में दुश्मन हमारे जवानों का सिर कलम कर देते थे : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि वह काला युग समाप्त हो गया है जब कांग्रेस के शासन में दुश्मन सेना के जवानों का सिर कलम कर देते थे, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत उकसावे को बर्दाश्त नहीं करता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष का उल्लेख करते हुए यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल के विपरीत भारत को कार्रवाई करने से पहले वैश्विक स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।

यादव ने सीहोर जिले के पिपलानी गांव में संवाददाताओं से कहा, समय बदल गया है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब दुश्मन हमारे सैनिकों का सिर कलम कर देते थे। हमारी सेना बार–बार (कार्रवाई करने से पहले सरकार से) आदेश मांगती थी। (सेना कहती थी) 'आप हमें आदेश दें, हम सब कुछ संभाल लेंगे। वे दिन चले गए। उन्होंने कहा कि भारत के दुश्मन अब किसी भी दुस्साहस के बारे में सोचने से पहले 100 बार सोचते हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, अगर कोई हमें भड़काने की कोशिश करेगा तो नया भारत उसे दंडित किए बिना नहीं छोड़ेगा। यह एक शानदार प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) का समय है। इससे पहले, दिन में यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिपलानी गांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत आदर्श गोंड समाज के 600 से अधिक जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह में भाग लिया।

असम सरकार सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए मितव्ययिता उपाय अपनाएगी: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए मितव्ययिता उपाय अपनाने और राज्य के सैनिकों के परिवार के सदस्यों को सभी प्रकार की सहायता देने का निर्णय लिया है।

शर्मा ने अपने कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मौजूदा स्थिति को देखते हुए, राज्य मंत्रिमंडल ने कई मितव्ययिता उपायों पर निर्णय लिया है, जिसमें कोई भी सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला और स्मारक कार्यक्रम आयोजित नहीं करना शामिल है।'' उन्होंने प्रेसवार्ता से पहले मंत्रिमंडल बैठक की भी अध्यक्षता की।

शर्मा ने कहा कि अगले सात दिनों के दौरान सभी जिलों के अधिकारियों को सशस्त्र बलों के परिवारों की पहचान करने, सहायता समूह बनाने और उन्हें हर संभव तरीके से मदद करने के लिए कहा जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, ''हम सैनिकों के परिवार के सदस्यों की तब तक देखभाल करना चाहते हैं जब तक वे युद्ध के मैदान से वापस नहीं आ जाते, ताकि युद्ध के मोर्चे पर मौजूद जवान को अपने परिवार की चिंता न करनी पड़े।''

गौरव गोगोई ने रक्षा प्रतिष्ठान के विरूद्ध हमेशा नकारात्मक टिप्पणी की है : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने हमेशा देश के रक्षा प्रतिष्ठान के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी की है। शर्मा ने कहा कि जोरहाट के सांसद गोगोई एकमात्र 'पाकिस्तान से सहानुभूति रखने वाले' हैं, जिनके खिलाफ उनकी सरकार द्वारा अभी तक कार्रवाई नहीं की गई है। मुख्यमंत्री ने यहां प्रेसवार्ता में कहा, ''गोगोई ने टिप्पणी की थी कि रूस से एस–400 खरीदने को लेकर भारत पर अमेरिका का दबाव है। लेकिन अब आप देख सकते हैं कि इसे खरीदा गया है और पाकिस्तान के साथ संघर्ष में सशस्त्र बलों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।'' शर्मा ने आरोप लगाया, '' उन्होंने हमेशा रक्षा प्रतिष्ठान पर नकारात्मक ट्वीट किये हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले लोगों के विरूद्ध कार्रवाई कर चुकी है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के पक्ष में बयान दिया है। शर्मा ने कहा, ''गोगोई पाकिस्तानी समर्थकों में एकमात्र बड़ी मछली है, जिनके खिलाफ अभी तक कार्रवाई नहीं की गई है। हालांकि, वह निगरानी में हैं।'' मुख्यमंत्री और भाजपा हाल में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी 'आईएसआई' के साथ कथित संबंधों को लेकर हमलावर रहे हैं।

पाकिस्तान को आईएमएफ का ऋण 'चौंकाने वाला और निराशाजनक': गौरव गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा पाकिस्तान को ऋण मंजूर करना 'चौंकाने वाला और निराशाजनक' है। गोगोई का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब आईएमएफ ने मौजूदा विस्तारित निधि सुविधा के तहत पाकिस्तान को लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर तत्काल जारी करने को शुक्रवार को मंजूरी दे दी।

लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने 'एक्स' पर लिखा, ''पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम हमले के बाद एक अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण की मंजूरी चौंकाने वाली और निराशाजनक है। यह ऋण देश पर सेना के शासन को ही कायम रखेगा।'' गोगोई ने कहा कि आईएमएफ बोर्ड में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली और इजराइल जैसे 25 सदस्य देश शामिल हैं।

इससे पहले, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बीते 29 अप्रैल को कांग्रेस ने मांग की थी कि भारत पाकिस्तान को आईएमएफ ऋण दिए जाने के खिलाफ मतदान करे, जिस पर शुक्रवार को इसके कार्यकारी बोर्ड ने विचार किया। भारत ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।'' उन्होंने आरोप लगाया मोदी सरकार घबराकर पीछे हट गई है। रमेश ने कहा, पुरजोर तरीके से न कहने से कड़ा संदेश गया होता।''

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में जयराम रमेश और पवन खेड़ा जैसे कांग्रेस नेताओं पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान को राहत पैकेज दिए जाने के मामले पर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया।

शर्मा ने लिखा, ''दुष्प्रचार का पर्दाफाश : जयराम रमेश और पवन खेड़ा जैसे कांग्रेस नेता बेतहाशा दुष्प्रचार में लिप्त हैं, तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश कर रहे हैं और पाकिस्तान को हाल ही में आईएमएफ की ओर से दिए गए राहत पैकेज के बारे में भारत के रुख को लेकर देश को गुमराह कर रहे हैं।''

रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखेगी लखनऊ की ब्रह्मोस विनिर्माण इकाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी में रविवार को उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर दुनिया की सबसे विध्वंसक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' की विनिर्माण इकाई की शुरुआत होने जा रही है।

एक बयान के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह डिजिटल माध्यम से दिल्ली से इस समारोह में शामिल होंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर इस परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

यह कदम उत्तर प्रदेश और भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत करने तथा भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण हालातों में सामरिक शक्ति को नयी धार देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह टाइटेनियम एंड सुपर एलॉयस मैटेरियल्स प्लांट (स्ट्रैटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स) का भी उद्घाटन करेंगे। यह विनिर्माण इकाई अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का उत्पादन करेगी, जिनका उपयोग चंद्रयान मिशन और लड़ाकू विमानों में किया जाएगा। इसके साथ ही, ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी परियोजना का भी लोकार्पण होगा, जो मिसाइलों के परीक्षण और एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में की थी, योगी सरकार की प्राथमिकता में रहा है।

कांग्रेस की विशेष सत्र की मांग, पार्टी नेताओं ने इंदिरा के 'साहस' को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोके जाने की सहमति बनने के बाद शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए, ताकि देश एकजुट होकर सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन कर सके। पार्टी के कई नेताओं ने इस मौके पर 1971 के युद्ध में भारत की जीत का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व और साहस को याद किया।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान निदेशक (डीजीएमओ) शनिवार शाम पांच बजे से सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान तत्काल संघर्ष–विराम के लिए सहमत हो गए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, वाशिंगटन डीसी से आई अभूतपूर्व घोषणाओं के संदर्भ में अब यह राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है कि प्रधानमंत्री एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें और देश के राजनीतिक दलों को विश्वास में लें, ताकि संकट की इस घड़ी में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। रमेश ने कहा संसद का एक विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए, जिसमें पिछले 18 दिन की घटनाओं, खासकर पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले से लेकर अब तक की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की जाए और आगे की दिशा तय की जाए, ताकि देश एकजुट होकर सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन कर सके।

आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कर्तव्य : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार शाम कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक था और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भारत और पाकिस्तान के तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत होने के बाद पूर्व रक्षा मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत हमेशा शांति और संवाद के पक्ष में रहा है। अगर इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं तो उनका स्वागत है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कर्तव्य है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से केवल आतंकवादी ठिकानों पर ही ''सटीक'' हमले किए हैं।

पवार ने कहा, ''यह कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक थी।'' उन्होंने कहा कि भारत का किसी भी पाकिस्तानी सैन्य अड्डे या नागरिक क्षेत्र पर हमला करने का कोई इरादा नहीं था।

अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से हथियारों और गोलाबारूद का जखीरा बरामद

चंडीगढ़/भाषा। बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने शनिवार को अमृतसर के खेत से दो हैंड ग्रेनेड और 2.70 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री सहित हथियारों और गोला–बारूद का एक जखीरा बरामद किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ और पंजाब पुलिस के जवानों ने शनिवार को अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने 2.70 किलोग्राम विस्फोटक, दो हैंड ग्रेनेड, दो पिस्तौल, चार मैगजीन, 30 गोली, दो डेटोनेटर और एक 'परिष्कृत विस्फोटक उपकरण' (आईईडी) सर्किट से भरा एक पैकेट बरामद किया।

गिल और पंत भारतीय टेस्ट टीम की जिम्मेदारी संभालने को तैयार, विराट कोहली पर बीसीसीआई चुप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट में भारतीय टीम की कमान सौंपी जा सकती है जबकि खेल के इस पारंपरिक प्रारूप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नए उप–कप्तान होंगे।

उप–कप्तान का चयन सरल लगता है क्योंकि पंत विदेशी परिस्थितियों में भारत के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं और जसप्रीत बुमराह का कद इतना बड़ा है कि उन्हें उप–कप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है और साथ ही जब उनकी खुद की फिटनेस भी संदिग्ध है तो उनका पूरी शृंखला के लिए खेलना अनिश्चित है।

पंत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वह इन देशों में सात बार 90 और 99 के बीच स्कोर बना चुके हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''अगर बुमराह कप्तान नहीं हैं तो उन्हें उप–कप्तानी की पेशकश करने का कोई मतलब नहीं है।'' क्रिकेट जगत जहां करिश्माई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा से हैरान है तो वहीं पता चला है कि चयन समिति ने इंग्लैंड में उन्हें कप्तानी सौंपने के विचार पर विचार किया है ताकि गिल को खुद को निखारने के लिए कुछ और समय मिल सके।

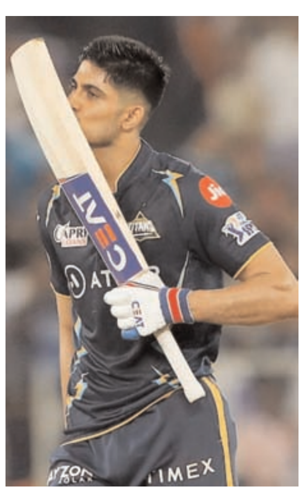

अभी तक कोहली ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है और माना जा रहा है कि उन्हें इंग्लैंड में आगामी पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में खेलने के लिए कहा जाएगा क्योंकि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके अनुभव की जरूरत होगी, विशेषकर तब जब रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। हालांकि बीसीसीआई ने कोहली के टेस्ट करियर के संबंध में उनसे हुई बातचीत पर चुप्पी साधी हुई है। पीटीआई ने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से संपर्क किया लेकिन उन्होंने अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं दिया है।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, ''यह सच है कि चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड शृंखला के लिए कोहली को भारतीय कप्तान बनाने के बारे में सोचा था। इससे गिल को कप्तानी की भूमिका में ढलने के लिए कुछ समय मिल जाता। बुमराह की फिटनेस समस्याओं के कारण अजीत अगरकर की समिति की पंसद गिल लग रहे हैं।

आईपीएल फिर से शुरू करने के विकल्प पर आज बात करेगा बीसीसीआई : शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच त्वरित संघर्ष विराम की घोषणा के बाद बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड के अधिकारी और आईपीएल संचालन परिषद रविवार को इस निलंबित टी20 लीग के बाकी मैच कराने के लिये सर्वश्रेष्ठ संभावित कार्यक्रम पर बात करेंगे । पहलगाम आतंकवादी हमले की जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद भारत पाकिस्तान सीमा पर तनाव के युद्ध में बदलने के आसार को देखते हुए आईपीएल शुक्रवार को एक सप्ताह के लिये स्थगित कर दिया था ।

शुक्ला ने कहा ,'' युद्ध थम गया है । नये हालात में बीसीसीआई पदाधिकारी, अधिकारी और आईपीएल संचालन परिषद कल फैसला लेंगे । देखते हैं कि टूर्नामेंट पूरा कराने के लिये सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम क्या हो सकता है ।'' ऐसी अटकलें थीं कि लीग चेन्नई , बेंगलुरु या हैदराबाद जैसे दक्षिण भारत के किसी शहर में पूरा कराया जा सकता है लेकिन शुक्ला ने कहा कि सैन्य टकराव जारी रहने पर ऐसा हो सकता था । उन्होंने कहा ,'' अगर युद्ध चल रहा होता तो वह विकल्प था । कई विकल्पों पर बात की गई है । संघर्ष विराम की घोषणा अभी हुई है । हमें थोड़ा समय दीजिये । उसके बाद ही फैसला लिया जायेगा ।''

सुविचार

दुनिया में सबसे बड़ा डर दूसरों की राय है, और जिस पल आप भीड़ से नहीं डरते, आप अब भेड़ नहीं रहे, आप शेर बन गए। तुम्हारे हृदय में एक महान गर्जना उठती है, स्वतंत्रता की गर्जना।

ट्वीट

झुंझुनूं ज़िले के मेहरादासी गांव के वीर सपूत श्री सुरेंद्र कुमार मोगा जी के शहीद होने का दुःखद समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला है। मातृभूमि की रक्षा में दिया गया उनका यह सर्वोच्च बलिदान सदा अमर रहेगा।

-वसुंधरा राजे

आज राजभवन में माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी की अध्यक्षता में सर्वधर्म सद्भाव के संबंध में आयोजित बैठक में विभिन्न धर्म गुरुओं एवं धार्मिक तथा सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

विशेष

ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना है मां

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों नेमां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 11 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा। एना जार्विस नामक अमेरिकन महिला ने अपनी समाजसेविका मां की स्मृति में 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया था। जिन्होंने महिलाओं के लिए काफी कार्य किए थे।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई। दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथों में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी

जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है। मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है। भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है। दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

अपना समुद्र, अपना मंथन

महासागर अपने आप में अथाह जगत है। जाने कबसे अनुसंधान हो रहे हैं, तब भी महासागर की पूरी थाह नहीं मिलती। भीतर भी एक महासागर है। इसकी लहरें निरंतर किनारे से टकराती हैं। लहरों के थपेड़े अविराम उथल-पुथल मचाए रखते हैं। भीतर ही भीतर जाने कितने ही तूफान हैं, कितनी ही सुनामियाँ हैं। भीतर का यह महासागर, इसकी लहरें, लहरों के थपेड़े सोने नहीं देते। अक्षय व्यग्रता, बार-बार आँख खुलना, हर बार-हर क्षण भीतर से स्वर सुनाई देना-क्या शेष जीवन भी केवल साँसे लेने भर में बिताना है? योगेश्वर ने अर्जुन से कहा था, 'प्रयत्नाणि सिद्धंति परमेश्वर:' प्रयत्नों से, कठोर परिश्रम से लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है, ईश्वर को भी सिद्ध किया जा सकता है। तो क्या हम कभी मथ सकेंगे भीतर का महासागर?

मंथन इतना सरल भी तो नहीं है। देवताओं और असुरों को महाकाय पर्वत मंदराचल की नेति एवं नागराज वासुकि की मथानी करनी पड़ी थी।

समुद्र मंथन में कुल चौदह रत्न प्राप्त हुए थे। संहारक कालकूट के बाद पयस्विनी कामधेनु, मन की गति से दौड़ सकनेवाला उच्चैश्रवा अश्व, विवेक का स्वामी ऐरावत हाथी, विकारहर्ता कौस्तुभ मणि, सर्व फलदायी कल्पवृक्ष, अप्सरा रंभा, ऐश्वर्य की देवी लक्ष्मी, मदिरा की जननी वारुणी, शीतल प्रभा का स्वामी चंद्रमा, श्रांत को विश्रांति देनेवाला पारिजात, अनहद नाद का पांचजन्य शंख, आधि-व्याधि के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि और उनके हाथों में अमृत कलश।

क्या हम कभी पा सकेंगे उन चौदह रत्नों को जो छिपे हैं हमारे ही भीतर?

स्वेदकणों से कमल खिला सकें तो इस पर विराजमान माता लक्ष्मी की अनुकम्पा प्राप्त होगी। धन्वंतरि का प्रादुर्भाव, हममें ही अंतर्निहित है, अर्थात हमारा स्वास्थ्य हमारे हाथ में है। इस मंथन में कालकूट भी है और अमृत भी। जीवन में दोनों आएँगे। कालकूट को पचाने की क्षमता रखनी होगी। निजी और सार्वजनिक जीवन में अस्तित्व को समाप्त करने के प्रयास होंगे पर हमें नीलकंठ बनना होगा।

न गले से उतरा, न गले में ठहरा,
विष न जाने कहाँ जा छिपा,
जीवन के साथ मृत्यु का आभास,
मैं न नीलकंठ बन सका, न सुकरात..!

अमृतपान कल्पना नहीं है। सत्कर्मों से मनुष्य की कीर्ति अमर हो सकती है। अनेक पीढ़ियाँ उसके ज्ञान, उसके योगदान से लाभान्वित होकर उसे याद रखती हैं, मरने नहीं देतीं, यही अमृत-पान है। नेह का निर्झर किसी के होने को सतत प्रवहमान रखता है, सूखने नहीं देता। सदा हरित रहना ही अमृत-पान है।

भूख, प्यास, रोग, भोग,
ईर्ष्या, मत्सर, पाखंड, षड्यंत्र,
मैं...मेरा, तू... तेरा के
सारे सूखे के बीच,
नेह का कोई निर्झर होता है,
जीवन को हरा किए होता है,
नेह जीवन का सोना खरा है,
वरना, मर जाने के लिए
पैदा होने में क्या धरा है..!

अमृत-पान करना है तो महासागर की शरण में जाना ही होगा। यह महासागर हरेक के भीतर है। हरेक के भीतर चौदह रत्न हैं।... और विशेष बात यह कि हरेक को अपना समुद्र स्वयं ही मथना होता है। मंथन आरंभ करो, संभावनाओं का पूरा महासागर प्रतीक्षा में है।

रणभूमि से रचनात्मकता तक मातृशक्ति का उत्सव

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'
मोबाइल : 7070769339

चूड़ियां कभी कमजोरी का प्रतीक नहीं रहीं, बल्कि नारी की शक्ति का प्रतीक हैं। जो माँ मृत्यु से लड़कर जीवन को जन्म देती है, वही युद्ध के मैदान में तलवार थामकर दुश्मनों को धूल चटाती है। उसकी कलाई की खनक रणभूमि में हुंकार बन जाती है, और उसका हौसला आसमान को चीर देता है। समाज ने नारी को आश्रित और कमजोर समझने की भूल की, पर उसकी चूड़ियों की खनक ने हर बेड़ी तोड़ दी। आज नारी शक्ति न केवल घर की चौखट, बल्कि देश की सीमाओं पर भी नेतृत्व कर रही है। इस मदर डे पर, हम उस माँ की शक्ति को सलाम करते हैं, जो अपनी मातृभूमि के लिए ढाल बनती है और देश की आन-बान-शान के लिए तलवार उठाती है। साथ ही, उन पुरुषों और समाज के हर व्यक्ति को नमन, जिन्होंने नारी के साहस को प्रोत्साहित किया, उसके सपनों को पंख दिए, और उसे रणभूमि से लेकर नेतृत्व के शिखर तक पहुंचने में साथ दिया। यह स्पष्ट है कि यदि परवरिश और प्रोत्साहन बराबर मिले, तो नारी में भी अपार साहस और शक्ति है।

इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी जैसी वीरांगनाओं ने युद्ध के मैदान में अपनी शक्ति और नेतृत्व का परिचय दिया। आधुनिक समय में भी, सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व इस शक्ति का प्रतीक है। पहलगाम हमले में आतंकवादियों ने न केवल धर्म पूछकर हमारी भावनाओं का अपमान किया, बल्कि भारतीय नारी को अबला समझकर उनकी शक्ति और सम्मान को भी चुनौती दी। इस कायरतापूर्ण कृत्य ने हमारी सांस्कृतिक एकता को निशाना बनाया। आतंकवादियों की यह भूल थी कि उन्होंने भारतीय नारी की शक्ति को कम आंका।

इस मातृशक्ति का जीवंत उदाहरण हैं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी वीरता और नेतृत्व से देश का मान बढ़ाया। कर्नल सोफिया, भारतीय सेना की सिग्नल कोर की साहसी अधिकारी, ने 2016 में बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'एक्सरसाइज फोर्स 18' में 40 सैनिकों का नेतृत्व कर इतिहास रचा। उनके दादाजी और पति, दोनों सेना के सम्मानित अधिकारी, ने उनके सैन्य जीवन के सपने को प्रेरणा दी। कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान, उन्होंने एक 5 वर्षीय बच्ची को उसके परिवार से मिलाकर ममता की मिसाल कायम की, जिसमें उनके पुरुष सहयोगियों और स्थानीय समुदाय ने उनका साथ दिया। दूसरी ओर, विंग कमांडर व्योमिका सिंह, एक माँ के दृढ़ संकल्प के साथ आसमान छूने वाली वायु सेना की हेलीकॉप्टर पायलट, ने 2,500 से अधिक उड़ान घंटों के साथ बाढ़ राहत से लेकर युद्ध मिशनों तक अपनी ताकत दिखाई। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका को विश्व ने शक्ति के रूप में जाना, लेकिन हमारे समाज में ऐसी अनगिनत माएं हैं, जो परिस्थितियों के बोझ तले स्वयं ही शक्ति बन जाती हैं। ये वे माएं हैं, जो खेतों में पसीना बहाकर, मजदूरी करके या घर से बाहर कोई काम करके परिवार का पेट भरती हैं; वे माएं, जो तलाकशुदा या विधवा होने के बावजूद रात-दिन मेहनत कर अपने बच्चों के सपनों को उड़ान देती हैं; और वे माएं, जो समाज की कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाकर बदलाव की मशाल जलाती हैं। वे सभी व्यक्ति, जो इन मांओं के साहस को प्रोत्साहित करते हैं, इस मातृशक्ति का अभिन्न हिस्सा हैं।

माँ से तो हर दिन विशेष होता है। इस मदर डे पर, हम केवल कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका को ही नहीं, बल्कि हर उस मां को सलाम करते हैं, जो अपने बच्चों और देश के लिए जीती है। हम उन पुरुषों और समाज के हर वर्ग को भी नमन करते हैं, जिन्होंने इन मांओं को आगे बढ़ने का हौसला दिया-चाहे वह सोफिया के पति हों, जिन्होंने उनकी सैन्य महत्वाकांक्षाओं को समर्थन दिया, या व्योमिका के सहकर्मी, जिन्होंने उनके हर मिशन में साथ निभाया। नारी की चूड़ियां अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि उस अटल संकल्प की गवाही हैं, जो घर, समाज, और देश की रक्षा करती हैं। ये नारियां और उनके समर्थक हर उस बेटी और बेटे के लिए प्रेरणा हैं, जो अपनी माँ की तरह मातृभूमि पर तिरंगा लहराने और एक बेहतर समाज बनाने का सपना देखते हैं। इस मदर डे पर, हम हर ऐसी माँ और उनके साथ खड़े हर शख्स को नमन करते हैं, जो जीवन को जन्म देने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर दुश्मनों का अंत भी करती हैं।

बोध कथा

सियार और ढोल

एक बार एक जंगल के निकट दो राजाओं के बीच घोर युद्ध हुआ। एक जीता दूसरा हारा। सेनाएं अपने नगरों को लौट गईं। बस, सेना का एक ढोल पीछे रह गया। उस ढोल को बजा-बजाकर सेना के साथ गए भाट व चारण रात को वीरता की कहानियां सुनाते थे। युद्ध के बाद एक दिन आंधी आई। आंधी के जोर में वह ढोल लुढ़कता-पुढ़कता एक सूखे पेड़ के पास जाकर टिक गया। उस पेड़ की सूखी टहनियां ढोल से इस तरह से सट गई थीं कि तेज हवा चलते ही ढोल पर टकरा जाती थीं और ढमाढम-ढमाढम की गुंजायमान आवाज होती। एक सियार उस क्षेत्र में घूमता था। उसने ढोल की आवाज सुनी। वह बड़ा भयभीत हुआ। ऐसी अजीब आवाज बोलते पहले उसने किसी जानवर को नहीं सुना था। वह सोचने लगा कि यह कैसा जानवर है, जो ऐसी जोरदार बोली बोलता है 'ढमाढम'। सियार छिपकर ढोल को देखता रहता, यह जानने के लिए कि यह जीव उड़ने वाला है या चार टांगों पर दौड़ने वाला।

एक दिन सियार झाड़ी के पीछे छुपकर ढोल पर नजर रखे था। तभी पेड़ से नीचे उतरती हुई एक गिलहरी कूदकर ढोल पर उतरी। हलकी-सी ढम की आवाज भी हुई। गिलहरी ढोल पर बैठी दाना कुतरती रही। सियार बड़बड़ाया, 'ओह! तो यह कोई हिंसक जीव नहीं है। मुझे भी डरना नहीं चाहिए।' सियार फूंक-फूंककर कदम रखता ढोल के निकट गया। उसे सूंघा। ढोल का उसे न कहीं सिर नजर आया और न पैं। तभी हवा के झोंके से टहनियां ढोल से टकराईं। ढम की आवाज हुई और सियार उछलकर पीछे जा गिरा। 'अब समझ आया', सियार उठने की कोशिश करता हुआ बोला, 'यह तो बाहर का खोल है। जीव इस खोल के अंदर है। आवाज बता रही है कि जो कोई जीव इस खोल के भीतर रहता है, वह मोटा-ताजा होना चाहिए। चर्बी से भरा शरीं। तभी ये ढम-ढम की जोरदार बोली बोलता है।' अपनी मांद में घुसते ही सियार बोला, 'ओ सियारी! दावत खाने के लिए तैयार हो जा। एक मोटे-ताजे शिकार का पता लगाकर आया हूं।' सियारी पूछने लगी, 'तुम उसे मारकर क्यों नहीं लाए?' सियार ने उसे झिड़की दी, 'क्योंकि मैं तेरी तरह मूर्ख नहीं हूं। वह एक खोल के भीतर छिपा बैठा है। खोल ऐसा है कि उसमें दो तरफ सूखी चमड़ी के दरवाजे हैं। मैं एक तरफ से हाथ डाल उसे पकड़ने की कोशिश करता तो वह दूसरे दरवाजे से न भाग जाता?'

चांद निकलने पर दोनों ढोल की ओर गए। जब वे निकट पहुंच ही रहे थे कि फिर हवा से टहनियां ढोल पर टकराईं और ढम-ढम की आवाज निकली। सियार सियारी के कान में बोला, 'सुनी उसकी आवाज? जरा सोच जिसकी आवाज ऐसी गहरी है, वह खुद कितना मोटा ताजा होगा।' दोनों ढोल को सीधा कर उसके दोनों ओर बैठे और लगे दांतों से ढोल के दोनों चमड़ी वाले भाग के किनारे फाड़ने। जैसे ही चमड़ियां कटने लगी, सियार बोला, 'होशियार रहना। एक साथ हाथ अंदर डाल शिकार को दबोचना है।' दोनों ने 'हूं' की आवाज के साथ हाथ ढोल के भीतर डाले और अंदर टटोलने लगे। अंदर कुछ नहीं था। एक-दूसरे के हाथ ही पकड़ में आए। दोनों चिल्लाए, 'हैं ! यहां तो कुछ नहीं है।' और वे माथा पीटकर रह गए।

वीर गाथा

मेजर सुखविंदर जीत सिंह रंधावा: वीरगति से पहले साथी को दिया संदेश- 'मेरी फिक्र छोड़, आतंकवादी को मार'

मेजर सुखविंदर जीत सिंह रंधावा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। माता गुरदीप रंधावा और पिता एसएस रंधावा के बहादुर बेटे सुखविंदर को बचपन से ही सशस्त्र बलों से गहरा लगाव था। वे संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा के जरिए सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें आर्टिलरी रेजिमेंट में कमीशन मिला था। इस रेजिमेंट में कुछ समय तक सेवा देने के बाद मेजर सुखविंदर को 2 आरआर में जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया था। उस समय अनंतनाग जिले में कई आतंकवादी गतिविधियां हो रही थीं। उनका खात्मा करने के लिए सेना ने विशेष अभियान शुरू किया था।

17 जून, 1997 को सेना के उच्चाधिकारियों को अपने विश्वसनीय खुफिया सूत्रों से महत्त्वपूर्ण जानकारी मिली थी। उसके आधार पर मेजर सुखविंदर को अनंतनाग जिले के काशपुर गांव में एक ऑपरेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई। सुखविंदर और साथी जवान जैसे ही उस इलाके में पहुंचे, आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी कर दी। इससे मेजर सुखविंदर गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना जारी रखा। इसी दौरान एक आतंकवादी नजर आया, जिसे सुखविंदर ने तुरंत ढेर कर दिया।

मेजर सुखविंदर आगे बढ़े तो एक अन्य आतंकवादी ने उन पर ग्रेनेड से हमला कर दिया। उन्होंने बहुत फुर्ती दिखाते हुए गोली चलाई और दूसरा आतंकवादी भी ढेर हो गया। मेजर सुखविंदर के शरीर से बहुत खून बह रहा था। उनका एक साथी उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए आगे आया।

सुखविंदर ने उसे मना करते हुए कहा, 'तू मेरी फिक्र छोड़, उस आतंकवादी को मार।' इसके बाद मेजर सुखविंदर वीरगति को प्राप्त हो गए। उन्होंने न सिर्फ अपने जवानों की जान बचाई, बल्कि वहां छिपे हुए सारे आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए प्रेरणा भी दी। मेजर सुखविंदर जीत सिंह रंधावा को हम सब नमन करते हैं, जिन्होंने वीरता, नेतृत्व, साहस और बलिदान की मिसाल कायम की। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत ने पाकिस्तान में ननकाना साहिब पर हमले के झूठे दावों, अन्य गलत सूचनाओं को खारिज किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने भारत की ओर से पाकिस्तान में ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किए जाने के दावों को शनिवार को खारिज कर दिया।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की 'फैक्ट चेक' इकाई ने कहा कि इस तरह की सामग्री भारत में सांप्रदायिक नफरत पैदा करने के लिए प्रसारित की जा रही है।

उसने कहा, ''सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किया है। यह दावा पूरी तरह से फर्जी है।''

ननकाना साहिब सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक का जन्मस्थान है और यह गुरुद्वारा सिखों के लिए एक पूजनीय तीर्थस्थल है।

सरकार ने सोशल मीडिया और कुछ समाचार मंचों पर प्रसारित उन खबरों को भी खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में उधमपुर वायु सेना बेस को नष्ट कर दिया है। सरकार ने कहा कि बेस पूरी तरह से चालू है।

यह स्पष्टीकरण एआईके न्यूज नामक मंच द्वारा प्रसारित एक वीडियो के बाद आया, जिसमें दावा किया गया था कि रणनीतिक हवाई अड्डे को पाकिस्तान ने नष्ट कर दिया है।

पीआईबी की 'फैक्ट चेक' इकाई ने कहा, 'एआईके न्यूज' द्वारा लाइव टीवी पर प्रसारित एक वीडियो में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने उधमपुर एयर बेस को नष्ट कर दिया है। उधमपुर हवाईअड्डा पूरी तरह चालू है।

इकाई ने भारत के प्रति लक्षित समन्वित दुष्प्रचार अभियानों में वृद्धि की ओर भी ध्यान दिलाया है, जिन्हें बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से चलाया जा रहा है तथा जिनमें कुछ भारतीय डिजिटल मंच भी शामिल हैं।

पीआईबी ने इस गलत सूचना अभियान को एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक युद्ध बताया, जिसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों में दहशत और भ्रम फैलाना है।

सरकार ने उन 'सोशल मीडिया पोस्ट' को भी ''फर्जी'' बताकर खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि एक भारतीय पायलट पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपने लड़ाकू विमान से कूदा और एक महिला वायुसेना पायलट को पाकिस्तान में पकड़ लिया गया।

सरकार ने इन दावों को भी खारिज कर दिया कि पाकिस्तान की ओर से किए गए साइबर हमले में भारत का पावर ग्रिड निष्क्रिय हो गया है और मुंबई-दिल्ली हवाई मार्ग अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

सरकार ने स्पष्ट किया, ''ये दावे फर्जी हैं।''

उसने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों के भीतर हवाई यातायात सेवा (एटीएस) मार्गों के 25 खंडों को परिचालन संबंधी कारणों से अस्थायी रूप से बंद किया है।

सरकार ने कहा कि भारतीय सैनिकों को रोते हुए दिखाने वाला पुराना वीडियो वास्तव में एक निजी कोचिंग संस्थान के युवाओं का है, जो सेना में अपने चयन का जश्न मना रहे थे।

पीआईबी की 'फैक्ट चेक' इकाई ने कहा कि संबंधित वीडियो 27 अप्रैल को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया था और इसका सेना से कोई संबंध नहीं है।

उसने कहा, ''वीडियो में एक निजी रक्षा कोचिंग संस्थान के छात्र भारतीय सेना में अपने चयन का जश्न मनाते दिख रहे हैं। वीडियो में नजर आ रहे युवा अपनी भर्ती की खबर पाकर कथित तौर पर खुशी से भावुक हो गए थे।

'ऑपरेशन सिंदूर' में आईसी-814 के साजिशकर्ता आतंकवादी मारे गए

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सैन्य बलों के हमलों में इन संगठनों के पांच शीर्ष वांछित आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि मारे गए आतंकियों में 1999 में विमान आईसी-814 के अपहरण का मास्टरमाइंड भी शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, इन आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया तथा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरयम नवाज की ओर से फूल चढ़ाए गए, जिससे आतंकवादी संगठनों के साथ पाकिस्तान सरकार की मिलीभगत का खुला प्रमाण मिलता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार की गई आतंकवादियों की सर्वाधिक वांछित सूची में 21वें नंबर पर सूचीबद्ध मोहम्मद यूसुफ अजहर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर का रिश्तेदार था। युसूफ अजहर इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी-814 के अपहरण का मास्टरमाइंड था, जिसमें मसूद अजहर को दो अन्य आतंकवादियों के साथ इंडियन एयरलाइंस के विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के बदले में रिहा किया गया था। विमान को आतंकवादियों द्वारा दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार ले जाया गया था। यूसुफ अजहर अपने परिवार के सदस्यों के साथ जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर मुख्यालय में मौजूद था, जब भारतीय सशस्त्र बलों ने अड्डे पर सटीक हमला किया और उसे मलबे में तब्दील कर दिया। इस जगह पर यूसुफ अजहर आतंकवादियों को हथियार का प्रशिक्षण देता था। अधिकारियों ने बताया कि मसूद अजहर का एक अन्य रिश्तेदार हाफिज मोहम्मद जमील भी हमले में मारा गया। वह बहावलपुर में मरकज सुभान अल्लाह का प्रभारी था, जो जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के लिए एक बड़ा प्रशिक्षण केंद्र था।

फिल्म 'पैसे वाली बहू' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता एवं वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी के एमडी रत्नाकर कुमार की भोजपुरी फिल्म 'पैसे वाली बहू' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म पैसे वाली बहू का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि जय यादव और शुभ किशन दो भाई के बीच अथाह प्रेम स्नेह है। दुर्घटना में में छोटे भाई शुभ किशन अपाहिज हो जाता है। संचिता बनर्जी एक घटनाक्रम में जय यादव से टकराती है। गौरतलब है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स लिमिटेड, रत्नाकर कुमार और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत तथा रत्नाकर कुमार कृत वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स लिमिटेड बैनर के तले निर्मित फिल्म 'पैसे वाली बहू' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्मात्री निवेदिता कुमार हैं। निर्देशक अजय कुमार हैं। इस फिल्म में मुख्य कलाकार संचिता बनर्जी, जय यादव, काजल त्रिपाठी, शुभ किशन शुक्ला, देवेन्द्र पाठक, प्रभा यादव, शिव कुमार, सोनाली मद्धेशिया, खुशी यादव, रूपा सिंह, शुभ तिवारी, राजेश तोमर, संजू सोलंकी हैं। इस फ़िल्म के लेखक मनोज गुप्ता हैं। संगीतकार राजेश झा, गीतकार संतोष उत्पती, धरम हिंदुस्तानी, राकेश निराला हैं। गायक प्रियंका सिंह, सुगम सिंह, खुशबू जैन, अली हैं। डीओपी शत्रुघ्न तिवारी, एडीटर दिलीप प्रसाद, एक्शन डायरेक्टर प्रदीप खड़का, डांस मास्टर कानू मुखर्जी, सोनू प्रीतम, आर्ट डायरेक्टर अवधेश राय, प्रोडक्शन हेड महेश उपाध्याय हैं। पोस्ट प्रोडक्शन 3 स्टूडियो में किया गया है।

रूस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया : रक्षा राज्य मंत्री

मॉस्को/भाषा। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को कहा कि रूस ने सभी तरह के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है और सैन्य साजो सामान संबंधी ऑर्डर को शीघ्र पूरा करने का वादा किया है।

द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सेठ ने सैन्य और तकनीकी सहयोग को प्रगाढ़ करने पर चर्चा करने के लिए रूस के उप रक्षा मंत्री कर्नल जनरल अलेक्जेंडर फोमिन से मुलाकात की। सेठ ने नई दिल्ली रवाना होने से पहले 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''रूस ने आश्वासन दिया कि वह सभी तरह के आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में समर्थन करेगा और कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग मौजूदा समझौतों के आधार पर आगे बढ़ता रहेगा।'' उन्होंने कहा कि रूस ने प्रक्रिया के अधीन मौजूदा सैन्य साजो सामान संबंधी ऑर्डर को तुरंत पूरा करने का वादा किया है। दोनों पक्ष मौजूदा ढांचे और नियमित परामर्श के माध्यम से संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर सहमत हुए। बैठक के दौरान, उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ रूस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।यात्रा के दौरान सेठ ने अज्ञात सैनिकों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने शुक्रवार को मॉस्को में भारतीय समुदाय के सदस्यों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''रूस में मौसम जितना ठंडा होता है, भारत के साथ दोस्ती में उतनी ही गर्माहट होती है।'' उन्होंने कहा कि मई का महीना सुहाना रहता है, लेकिन इस साल यह असामान्य रूप से ठंडा है।

सेठ ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विनम्र स्वभाव से बहुत प्रभावित हैं।

सेठ ने विजय दिवस परेड में भारत का प्रतिनिधित्व किया, क्योंकि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विदेश यात्रा पर नहीं जा सके।

विदेश में हूं, लेकिन दिल और आत्मा पूरी तरह भारत के साथ : सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अदाकारा सेलीना जेटली भले ही विदेश में हों, लेकिन उनका मन खबरों की हलचल के बीच भारत में उलझा हुआ है। उन्होंने भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम किया और उन आम लोगों के साथ हमदर्दी जताई जो हमले से प्रभावित हुए हैं। उनका कहना कि उन्हें भारत की ताकत पर पूरा भरोसा है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उल्लिखा, मैं ऑस्ट्रिया में हूं, लेकिन नींद नहीं आ रही। आज की रात सोना भी किसी 'लग्जरी' जैसी चीज लग रही है, क्योंकि मेरे देश में शांति पर हमला हो रहा है। मेरा दिल बेचैन है, एक तरफ मैं यहां के समय में हूं और दूसरी तरफ भारत की खबरों में उलझी हुई हूं। बेशक मैं दूर हूं, लेकिन मेरी आत्मा, मेरी भावना पूरी तरह भारत के साथ है। उन्होंने लिखा, हमारे बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों को धन्यवाद। आप हमारे और अव्यवस्था के बीच एक ढाल बनकर खड़े हैं। आप हमें उस खतरे से बचाते हैं, जो आम लोग शायद कभी महसूस भी नहीं कर पाते। आपका साहस सिर्फ युद्ध में नहीं, बल्कि उन अनगिनत खामोश कुर्बानियों में भी दिखता है, जैसे ठंडी रातों में जागकर सरहद की रक्षा करना, बिना रुके.. बिना थके हर कदम देश के लिए बढ़ाना। हम आज सुरक्षित हैं, चैन से जी रहे हैं, सांस ले पा रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि भारतीय सेना अडिग खड़ी है, बिना डरे, बिना झुके। हमले में प्रभावित नागरिकों को लेकर आगे लिखती हैं, आपका दर्द किसी से छुपा नहीं है, हम सब उसे महसूस करते हैं और समझते हैं। आपकी ताकत को भुलाया नहीं जा सकता। आपके साहस को हमेशा याद रखा जाएगा। डर और नुकसान का सामना करते हुए, आप दुनिया को दिखा रहे हैं कि एकता, सम्मान और धैर्य का वास्तव में क्या मतलब है। हम आपके साथ खड़े हैं। इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकलने के लिए एक साथ मिलकर संघर्ष करेंगे और फिर से खड़े होंगे। शांति केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि सभी लोगों का प्राकृतिक अधिकार है और कोई भी हमला भारत की आत्मा को नहीं तोड़ सकता। जय हिंद। 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है।

'फिल्मी रानी' योग के जरिए खुद को रखती हैं फिट

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अदाकारा रानी चटर्जी हमेशा से ही अपनी एक्टिंग और दमदार अंदाज के लिए जानी जाती हैं, वहीं लोग उनकी फिटनेस के भी दीवाने हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि जिंदगी में जितना जरूरी काम है, उतना ही जरूरी अपने शरीर और मन की सेहत को भी बनाए रखना है। इस कड़ी में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर योग करते हुए एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह योगासन करती नजर आ रही हैं। रानी ने अपने इंस्टाग्राम पर योग का वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह अनुलोम-विलोम, बद्धकोणासन, बाल आसन, नाड़ी शोधासन जैसे योगासन करती नजर आ रही हैं। वह सिर्फ शारीरिक रूप से फिट नहीं होना चाहतीं, बल्कि मानसिक शांति और आत्म-संतुलन भी चाहती हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने एक बेहद खूबसूरत कैप्शन भी दिया। उन्होंने लिखा- योग सिर्फ आत्म प्रेम और शांति के बारे में है।

दरअसल, योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं है, यह एक तरीका है अपने भीतर झांकने का, अपने मन को शांत करने का। रानी अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर योग और जिम में एक्सरसाइज करते हुए वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं।

एक समय था, जब वह काफी मोटी थीं। वजन कम करने के लिए उन्होंने खुद पर ध्यान देना शुरू किया और योग और जिम में जमकर पसीना बहाया। आज उनका बेली फैट पूरी तरह गायब हो चुका है। वहीं उनके चेहरे की रंगत पहले से काफी बदल गई है। अब उनका चेहरा पहले से ज्यादा ग्लो करता है। हाल ही में उन्होंने अपना वर्कआउट वीडियो शेयर किया था। यह वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल भी हुआ। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने खुद को 'क्यूट गुंडी' का टैग दिया।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में रानी चटर्जी एक्सरसाइज करती नजर आईं। एक्ट्रेस ने इस वीडियो को मजेदार कैप्शन दिया और लिखा, ''उस लड़की से कभी मत उलझना, जिसने सब कुछ अपने दम पर बनाया है। दिखने में क्यूट हूं, लेकिन मैं बहुत बड़ी गुंडी हूं, इसलिए मुझसे कभी मत उलझना।''

बॉर्डर 2 में 'संदेशे आते हैं' का नया वर्जन होगा तैयार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार सनी देओल की आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' में भी दर्शकों को 'संदेशे आते हैं' गाने का नया वर्जन सुनने को मिल सकता है। वर्ष 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' का अब दूसरा पार्ट भी बन रहा है। फिल्म 'बॉर्डर 2' को जेपी दत्ता, भूषण कुमार, निधि दत्ता मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'बॉर्डर 2' से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में भी 'संदेशे आते हैं' गाना दर्शकों को सुनने को मिल सकता है। फिल्म 'बॉर्डर' में इस गाने को सोनू निगम और रूप कुमार राठौर ने गाया था। चर्चा है कि निर्माता भूषण कुमार ने जेपी दत्ता और निधि दत्ता के साथ मिलकर 'संदेशे आते हैं' गाना के राइट्स लगभग 60 लाख रुपये में खरीद लिए हैं। इस गाने की फिल्म में बहुत ज्यादा अहमियत है। यही कारण है कि मेकर्स 'संदेशे आते हैं' को फिल्म 'बॉर्डर 2' में इस्तेमाल कर रहे हैं। साथ ही मेकर्स इस गाने के जरिए भारतीय सेना को सलाम भी करना चाहते हैं। कहा जा रहा है किफिल्म 'बॉर्डर 2' में 'संदेशे आते हैं' गाना को सोनू निगम के साथ अरिजीत सिंह गाने वाले हैं। 'संदेशे आते हैं 2.0' पर काम काफी समय से चल रहा है और मेकर्स ने एक ऐसा संस्करण तैयार किया है जो पहले भाग की विरासत को सही ठहराता है। इस गाने को सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ समेत बाकी स्टार कास्ट पर फिल्माया जाएगा। अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही फिल्म बॉर्डर-2, 23 जनवरी 2026 को रिलीज हो सकती है।

'हम आपके कर्जदार हैं', अनन्या पांडे ने भारतीय सेना के साहस को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद भारतवासी अपनी सेना के साथ खड़े हैं और लगातार उनका मनोबल बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रहे हैं। पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया है। जिस तरह से भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से छोड़े गए ड्रोन और मिसाइल को रोका है, उसे लेकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। कई बॉलीवुड सेलेब्स अपने रिएक्शन दे रहे हैं। इसी बीच अनन्या पांडे ने भारतीय सशस्त्र बलों को सलाम करते हुए पोस्ट शेयर किया है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के हीरोज को सलाम। आप और आपके परिवारों को दिल से धन्यवाद, आपके बेमिसाल हिम्मत के लिए। हम आपके कर्जदार हैं। जय हिंद! बता दें कि अनन्या को हिंदी सिनेमा में 6 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तब वह नर्वस थीं और खुद को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन अब उन्हें कुछ नया आजमाने या जोखिम लेने से डर नहीं लगता। अनन्या ने कहा, मैं जब करियर शुरू कर रही थी, तब मेरी उम्र 19 साल थी। मैं बहुत घबराई हुई थी, लेकिन सपनों से भी भरी हुई थी और खुद को पहचानने की कोशिश कर रही थी। मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं। हालांकि तब अपने व्यक्तित्व और करियर को लेकर थोड़ी उलझन में थी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब, मुझे लगता है कि मैं खुद को एक ऐसे रूप में ढाल चुकी हूं जो कोशिश करने से, गिरने से, फिर उठने से और लोगों को चौंकाने से नहीं डरती। मैं अब भी सीख रही हूं। खुद को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा, मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं खुद को बेहतर बनाते रहना चाहती हूं और ऐसे किरदार चुनना चाहती हूं जो मुझे चुनौती दें, मेरे भीतर उत्साह और घबराहट का एहसास जगाएं। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के बाद वह 'पति पत्नी और वो', 'खाली पीली',जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं।

बिहार में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' का चेहरा बनने पर गर्व है: पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपने गृह राज्य बिहार में आयोजित हो रहे 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' का चेहरा बनने पर गर्व व्यक्त किया है। बिहार में अब तक आयोजित सबसे बड़े खेल आयोजन के रूप में प्रशंसित 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' ने देश भर से युवा खिलाड़ियों को आकर्षित किया है, जिससे राज्य एक गतिशील खेल केंद्र में बदल गया है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए अपने गृह राज्य में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' से जुड़ना एक बड़ा सम्मान है। बिहार में इन खेलों का आयोजन होते देखना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए बिहार सरकार और खेल अधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई! हमारे युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करना सिर्फ़ शारीरिक शक्ति का निर्माण करने के बारे में नहीं है। यह अनुशासन, लचीलापन और आत्म-विश्वास को बढ़ावा देने के बारे में है। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि बिहार के प्रेरक चेहरे के रूप में मेरी भागीदारी युवा किशोर और किशोरियों को बड़े सपने देखने, सक्रिय रहने, जुनून तथा गर्व के साथ बिहार और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगी।

बॉलीवुड में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर फिल्म बनाने की होड़, दर्जनों शीर्षकों के लिए आवेदन किए गए

मुंबई/भाषा। भारत द्वारा पाकिस्तान में किए गए सैन्य हमलों के बाद बॉलीवुड में 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े फिल्म शीर्षक के लिए आवेदन करने की होड़ मच गई है। फिल्म निर्माताओं ने महज दो दिन में 30 से अधिक शीर्षक पंजीकृत कराने के लिए आवेदन दे दिए हैं।

पंजीकरण के लिए दिए गए आवेदनों में 'ऑपरेशन सिंदूर', 'मिशन सिंदूर' और 'सिंदूर : द रेवेंज' सहित अन्य शीर्षक शामिल हैं। जम्मू कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं।

पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है। इस बीच, भारतीय मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए), भारतीय फिल्म और टेलीविजन प्रोड्यूसर्स काउंसिल (आईएफटीपीसी) और वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूआईएफपीए) को 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े फिल्म शीर्षक के पंजीकरण के लिए ढेरों आवेदन मिले हैं।

आईएमपीपीए के सचिव अनिल नागरथ ने बताया, हमें 30 से ज्यादा शीर्षकों के आवेदन मिले हैं। यह संख्या 50-60 तक पहुंच सकती है। ज्यादातर लोग 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'मिशन सिंदूर' नाम के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति एक से अधिक शीर्षक के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन जो पहले आवेदन करता है, वही शीर्षक पाता है। प्रोड्यूसर और फिल्म निर्माता इन शीर्षकों को पंजीकृत कराकर इस विषय पर फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि यह भारत के लिए गर्व का विषय है।

नागरथ ने बताया कि अतीत में उन्हें करगिल, उरी, कुंभ और अन्य शीर्षक के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं।

फिलहाल जिन शीर्षकों के लिए आवेदन किया जा रहा है उनमें 'हिंदुस्तान का सिंदूर', 'मिशन ऑपरेशन सिंदूर' और 'सिंदूर का बदला' भी शामिल हैं। पहलगाम के नाम पर 'पहलगाम: द टेरर अटैक', 'पहलगाम अटैक' और अन्य शीर्षकों के लिए भी आवेदन प्राप्त हुए हैं । सूत्रों के अनुसार, 2016 के उरी हमले और भारत के जवाबी हमलों पर आधारित 2019 की फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक का निर्देशन करने वाले आदित्य धर के साथ साथ अभिनेता सुनील शेट्टी, फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर, विवेक अग्निहोत्री, अशोक पंडित, प्रोडक्शन बैनर टी-सीरीज़ उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने उपर्युक्त शीर्षकों के लिए आवेदन किया है।

बेंगलूरु | रविवार | 11-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

8

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

एवेन्यू रोड़ क्रास में जुम्मा मस्जिद रोड़ पर स्थित है देवंगा मार्केट। जुम्मा मस्जिद रोड़ शहर का सुप्रसिद्ध सिल्क मार्केट है जहां न केवल सिल्क कपड़े व साड़ियों के निर्माता एवं व्यवसायी हैं बल्कि अन्य व्यवसायी भी बड़ी संख्या में हैं।

मायुम द्वारा अजय एल्डर्स होम में वॉटर कूलर डिस्पेंसर भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच (मायुम) द्वारा शनिवार को मारथहल्ली स्थित अजय एल्डर्स होम में स्थायी प्याऊ अभियान के तहत एक वॉटर कूलर डिस्पेंसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में टेकरीवाल परिवार द्वारा नाश्ते का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के संयोजक तनुज टेकरीवाल ने आयोजन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अजय एल्डर्स होम में रहने वाले 70 वृद्धजनों को अब इस वाटर कूलर डिस्पेंसर से लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य अपने परिवार और बच्चों के साथ उपस्थित थे।

सदस्यों ने वृद्धों को अपने हाथों से भोजन परोसकर सेवा की भावना को प्रदर्शित किया। बच्चों और वृद्धों के बीच की मुलाकात से वृद्धजनों को विशेष रूप से प्रसन्नता हुई। इस अवसर पर अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, सचिव सन्नी जैन, निकेश अग्रवाल, सुनीता मित्तल, लक्ष्य तुलस्यान, तरुण बतवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सैनिकों के सम्मान में विशेष पूजा

मैसूरु/दक्षिण भारत। जीतो मैसूरु द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच बने तनाव के मद्देनजर देश के वीर सैनिकों के साथ एकजुटता दिखाते हुए मैसूरु पैलेस के गेट के पास स्थित आंजनैया स्वामी मंदिर में एक विशेष पूजा का आयोजन रविवार को किया। यह आयोजन भारत माता के वीर सपूतों की रक्षा, माँ भारती की विजय और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता हेतु समर्पित था। इस अवसर पर जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन, वाइस चेयरमैन भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, पूर्व मुख्य सचिव दीपक बोहरा, खजांची नेमीचंद श्रीमाल, सचिव प्रेम पालरेचा एवं रमेश नवलखा, सह-खजांची गौतम बागमार, जीतो यूथ चेयरमैन सिद्धार्थ कटारिया, अक्षय वाणीगोता, गजराज पगारिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी उपस्थित सदस्यों ने भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ माँ भारती की रक्षा की प्रार्थना की तथा आतंकवाद के विरुद्ध भारत की विजय की मंगल कामना की।

देवंगा मार्केट की दुकानों के सामने मलबा डालकर रास्ता अवरुद्ध किया

मार्केट के दोनों प्रवेश द्वार पर मलबे के ढेर देखकर व्यापारी अचंभित

32 घंटे बीत जाने पर भी मलबा जस का तस पड़ा हुआ, पुलिस को दी गई शिकायत पर कार्रवाई का इंतज़ार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एवेन्यू रोड़ क्रास में जुम्मा मस्जिद रोड़ पर स्थित है देवंगा मार्केट। जुम्मा मस्जिद रोड़ शहर का सुप्रसिद्ध सिल्क मार्केट है जहां न केवल सिल्क कपड़े व साड़ियों के निर्माता एवं व्यवसायी हैं बल्कि अन्य व्यवसायी भी बड़ी संख्या में हैं। इसी प्रमुख व्यवसायिक केंद्र के बीच स्थित है देवंगा मार्केट, जिसमें 60 दुकानें हैं। ग्राउंड फ्लोर सहित कुल तीन मंजिला इस इमारत की हर मंजिल में 20 दुकानें हैं। प्रवेश के लिए दो द्वार हैं। एक वाचमैन राजेंद्र प्रसाद रखा हुआ है। इस मार्केट में कुछ दुकानदार तो लगभग 60 वर्षों से हैं और 35-40 वर्षों से तो बहुत से दुकानदार हैं। इन दुकानदारों ने शुक्रवार की सुबह देखा कि इनके मार्केट के दोनों प्रवेश द्वारों पर मलबे (किसी भी बिल्डिंग को तोड़ने पर जो ईंट-पत्थर का मलबा निकलता है और वह कचरे के रूप में फेंका जाता है) का ढेर लगा है और मार्केट के अंदर जाने का रास्ता अवरुद्ध किया गया है।

यहां के एक व्यापारी, जो सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं कुमारपाल सिसोदिया, उन्होंने बताया कि वे 40 वर्षों से इस मार्केट में हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा गया। अचानक व्यापारियों की दुकानों का रास्ता रोकने का उद्देश्य उन्हें समझ नहीं आया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह अन्य साथी व्यापारी भी यहां आए और जब देखा कि कई ट्रैक्टर लोड मलबा जिस तरह से दोनों प्रवेश द्वार पर डाला गया है उससे ऐसा करने वाले की मंशा सही नहीं लगती, इसलिए उन्होंने वाचमैन को बुलाकर पूछताछ की तो पता चला कि मार्केट बिल्डिंग के डाइरेक्टर पुट्टराजू ने अल्लसुबह उसे फ़ोन कर गेट खोलने को कहा तो उन्होंने गेट खोल दिया। इसके बाद वह वापस जाकर सो गया। बाद में क्या हुआ उसे पता नहीं। कुमारपाल सिसोदिया ने बताया कि व्यापारियों ने पुट्टराजू को भी फ़ोन पर संपर्क साधने का प्रयास किया लेकिन फ़ोन नहीं उठाया गया तो उन्हें कुछ कुछ माजरा समझ में आया कि संभवतः देवंगा संघ के पदाधिकारियों ने ही ऐसा करवाया है ।

> हमें ऐसा लगता है कि देवंगा संघ के पदाधिकारी शायद किराएदारों से दुकानें ख़ाली करवाना चाहते हैं लेकिन यह कौनसा तरीक़ा है?हमें संघ की तरफ से कभी कोई नोटिस नहीं दिया गया और न ही कभी ऐसी कोई बात की गई । मार्केट बिल्डिंग जर्जर हालत में भी नहीं है कि रिपेयरिंग करवाने की ज़रूरत हो। केवल व्यापारियों को परेशान कर उन्हें यहां से खदेड़ दिया जाए, ऐसी मंशा दिखाई दे रही है।
>
> संजय मर्लेचा

मार्केट के एक दूसरे किराएदार संजय मर्लेचा, जो एक ट्रैवल एजेंसी के मालिक हैं, ने बताया कि वे गत 35 वर्षों से निरंतर समय पर किराया देते हैं और कभी किसी तरह का कोई विवाद किसी से नहीं हुआ। संजय ने कहा, 'हमें ऐसा लगता है कि देवंगा संघ के पदाधिकारी शायद किराएदारों से दुकानें ख़ाली करवाना चाहते हैं लेकिन यह कौनसा तरीक़ा है?हमें संघ की तरफ से कभी कोई नोटिस नहीं दिया गया और न ही कभी ऐसी कोई बात की गई । मार्केट बिल्डिंग जर्जर हालत में भी नहीं है कि रिपेयरिंग करवाने की ज़रूरत हो। केवल व्यापारियों को परेशान कर उन्हें यहां से खदेड़ दिया जाए, ऐसी मंशा दिखाई दे रही है।'

बिल्डिंग के वाचमैन राजेंद्र प्रसाद ने 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' को बताया कि मैंने घड़ी तो नहीं देखी इसलिए सही सही समय तो नहीं बता सकता लेकिन सुबह सुबह अंधेरे का समय था कि डाइरेक्टर पुट्टराजू ने मुझे फ़ोन किया और कहा कि मार्केट के दोनों गेट खोल दो। मैंने गेट खोल दिए और वापस जाकर सो गया।

एक अन्य दुकानदार सलिल बलडोटा ने 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' से कहा कि जब व्यापारियों का फ़ोन पुट्टराजू ने नहीं उठाया तो सबने मिलकर उपारपेट पुलिस थाने में रिपोर्ट लिखाने का निर्णय लिया। लगभग 12 बजे पुलिस स्टेशन गए तो अधिकारी ने फिर से ढाई बजे आने को कहा। अंततः शाम को उनकी लिखित शिकायत स्वीकार कर ली गई और कहा गया कि संबंधित पदाधिकारियों से बातचीत करने के बाद आगे की कार्रवाई के संबंध में बताएँगे।

कुमारपाल सिसोदिया ने 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' से कहा कि आज शनिवार की शाम हो चुकी है लेकिन अभी तक मलबा ज्यों का त्यों पड़ा हुआ है और सभी व्यापारी हैरान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि संघ के अध्यक्ष एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं जो पूर्व में पुलिस के उच्च अधिकारी रह चुके हैं इसलिए वे शायद किराएदारों पर इस तरीक़े से दबाव डालकर उन्हें भगाना चाहते हैं।

राजलदेसर परिषद् द्वारा निःशुल्क ब्रेन एंड स्पाइन कैम्प आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजलदेसर परिषद के तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमण जी के 52वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में मानव सेवा चिकित्सा प्रकल्प के अंतर्गत 11 मई को ब्रेन एंड स्पाइन कैम्प का आयोजन राजराजेश्वरीनगर के शिवरतनपुरी टेंपल ऑफ हेल्थ के पिरामिड मंदिर में श्री ज्येन्द्रपुरी महास्वामीजी, पीठाधिपति कैलाश आश्रम महासंस्थान एवं ब्रेन सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से हो रहा है।

इस शिविर में अस्पताल के संस्थापक चेयरमैन व न्यूरोसर्जन डॉ एन. के. वेंकटरमना एवं उनकी टीम द्वारा पारंपरिक स्वास्थ्य जाँच एवं निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। परिषद के अध्यक्ष विमल बैद ने कहा कि ऐसे मानव सेवा के कार्यक्रम हम आगे और निरंतर करते रहेंगे जिससे जन सामान्य को इसका लाभ मिल सके। मंत्री कुलदीप बैद ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में इस तरह के शिविरों से हमें काफी लाभ मिल सकता है। संयोजक राजेंद्र बैद (एफसी) एवं मीडिया प्रभारी जितेंद्र घोषल अपने साथियों के साथ इस शिविर की तैयारियों मे जुटे हुए हैं। इस शिविर का लाभ लेने के लिए निम्न मोबाइल 7892755982 एवं 9379872563 पर सम्पर्क कर पंजीकरण कराया जा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भूमि शुद्धिकरण पूजा

शनिवार को बुधियाल गौशाला में भगवान महावीर कामधेनु प्राणी हॉस्पिटल की जमीन पर आचार्य भगवन्तों से प्राप्त वासक्षेप एवं शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान का पक्षाल व गंगा जल द्वारा भूमि शुद्धिकरण व पूजा की गई। भगवान महावीर कामधेनु प्राणी हॉस्पिटल बेंगलूरु के उपाध्यक्ष रूपचंद कुमट, महामंत्री दिनेश खिंवेसरा, लेडीज विंग की चेयरपर्सन शारदा चौधरी एवं चंद्रप्रभु कामधेनु गौशाला की सदस्याएं राजवंती संचेती, चन्द्रिका भंडारी, मोनिका कुमट, सीमा खिंवेसरा आदि उपस्थित थीं।

जल संरक्षण पर जागरूकता अभियान चलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जल संरक्षण अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की अध्यक्ष मंजू गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू एवं उनकी टीम ने 29 अप्रैल एवं 9 मई को एक बूंद एक सागर' कार्यक्रम का आयोजन किया। अभियान के तहत मंडल की सदस्यों ने विभिन्न पार्कों, अपार्टमेंट, रेस्टोरेंट, स्कूल, मॉल आदि में जाकर पोस्टर्स द्वारा लोगों को समझाया कि किस प्रकार जल का संरक्षण किया जा सकता है। पानी हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी है उसका दुरुपयोग न करें। वॉटर प्यूरीफायर से निकलने वाले वेस्ट पानी का उपयोग हम घर की सफाई आदि विभिन्न कार्यों में कर सकते हैं। सदस्यों ने बारिश के पानी का संग्रह करने के तरीके अपनाने पर जोर दिया। अपने घरों में नलों इत्यादि को ठीक रखें ताकि उनसे पानी व्यर्थ न जाए। बच्चों को भी यह सिखायें कि नहाते, ब्रश करते समय नलों को अधिक देर तक खुला न रखें तथा नहाने के लिए शावर का इस्तेमाल कम से कम करें। इस प्रकार छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर जल को बचाया जा सकता है और जल की कमी से भविष्य में होने वाली भीषण समस्या से बचने का प्रयास किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में प्रचार-प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ एवं कार्य समिति की सदस्यों ने भाग लिया।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता के पिता का था आतंकी संगठन अल-कायदा से संबंध, संरा ने लगा रखा है प्रतिबंध

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अधिकारियों ने पाकिस्तान से जारी सैन्य संघर्ष के बीच यहां बताया कि पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी एक परमाणु वैज्ञानिक के बेटे हैं, जिन पर अल-कायदा से संबंधों के कारण संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है।

भारत द्वारा 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों के जवाब में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के गढ़ समेत नौ आतंकवादी शिविरों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद से लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के प्रमुख के रूप में प्रेस को सक्रिय रूप से जानकारी दे रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज के अनुसार चौधरी के पिता सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद अमृतसर में पैदा हुए थे और महमूद के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अल-कायदा के नेता ओसामा बिन लादेन से मुलाकात की थी। अधिकारियों के अनुसार महमूद पर आरोप है कि उन्होंने परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ परमाणु हथियारों से जुड़े प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, उन पर कट्टरपंथी संगठन उम्माह तामीर-ए-नौ के लिए धन जुटाने का आरोप लगाया गया था। इस संगठन की स्थापना 1999 में हुई। इसे वर्ष 2001 में अमेरिकी आक्रमण से पहले तालिबान शासित अफगानिस्तान में मानवीय जरूरतों में मदद के लिए बनाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग से सेवानिवृत्त महमूद ने धर्म और विज्ञान के अंतर्संबंध पर चर्चा करते हुए कई पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें मेकेनिक्स ऑफ द डूम्सडे एंड लाइफ आफ्टर डेथ भी शामिल है। इस पुस्तक में उन्होंने इस्लामी दृष्टिकोण से ब्रह्मांड के अंत का उल्लेख किया है।

अधिकारियों ने कहा कि 85 वर्षीय महमूद फिलहाल इस्लामाबाद में रहते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी को दिसंबर 2022 में पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने आईएसपीआर का महानिदेशक नियुक्त किया था।

लायंस क्लब ऑफ़ धारवाड़ द्वारा विशाल निःशुल्क कृत्रिम पैर शिविर संपन्न

धारवाड़/दक्षिण भारत । लायंस क्लब ऑफ़ धारवाड़ और ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के महावीर लिंब सेंटर हुब्बल्ली के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क कृत्रिम पाँव लगाने के शिविर का आयोजन नारायणपुर स्थित लायंस स्कूल में किया गया। लायंस क्लब ऑफ़ धारवाड़ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिव्यांगों को स्वावलम्बी जीवन जीने की प्रेरणा देने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि आल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरविन्द हेबसुर, लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 317 बी के पूर्व जिला गवर्नर हर्ष देसाई, क्लब के अध्यक्ष गुरुराज पिसे, सचिव कविता अंगड़ी, कोषाध्यक्ष वृषभ करोले, लिंब सेंटर के निदेशक कांतिलाल बोहरा, संयोजक सुभाषचंद्र डंक ने दिव्यांगों को कृत्रिम पाँव लगाकर किया। क्लब की सचिव कविता अंगड़ी ने कार्यक्रम का संचालन किया और मेहमानों का परिचय कराया। राजेश्वरी ने सभी का आभार जताया। इस दौरान कृत्रिम पैर पाने वाले विकलांग लोगों ने लायंस क्लब ऑफ़ धारवाड़ एवं महावीर लिंब सेंटर के पदाधिकारियों का आभार जताया और खुशी-खुशी घर लौटे। इस अवसर पर क्लब के गिरिधर देसाई, भुजंगा शेट्टी, आरके हेगड़े सहित अन्य सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

मेरे होने का मतलब

दिल में धड़कन है मेरे होने का मतलब,
मन में बचपन है, मेरे होने का मतलब।

चूड़ी,कंगन,बिंदिया,पैजन,टिकली,माहुर,
काया कंचन है मेरे होने का मतलब।

भौंरे की गुंजन है तितली का मँडराना,
खिलता उपवन है मेरे होने का मतलब।

धन- दौलत,गरिमा है खुशहाली का आलम,
छत है, आँगन है मेरे होने का मतलब।

घंटी बजती है, बजते हैं शंख सनातन,
पूजा - वंदन है मेरे होने का मतलब।

घर में मर्यादा है रीति-रिवाज युगों से,
अदृश्य बंधन है मेरे होने का मतलब।

धूप,मिठाई,रोली,दीपक,कुमकुम,मौली,
अक्षत,चंदन है मेरे होने का मतलब।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रमाणपत्र वितरण

बेंगलूरु के जयनगर स्थित सुराना महाविद्यालय के सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से सत्यापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्य अर्चना सुराणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करती है तथा उनमें देश सेवा की भावना विकसित करती है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य निदेशक डी कार्तिकेयन, विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी गिरीश, महाविद्यालय प्राचार्य वीणा केएम ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com